संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 284 सोमवार 18 अगस्त 2025,पृष्ठ - 8+8 मूल्य 4 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बदल जाएगा पीएमओ का पता

78 साल बाद नए जगह पर शिफ्ट होगा प्रधानमंत्री कार्यालय

नई दिल्ली,17 अगस्त 2025 (ए)। प्रधानमंत्री कार्यालय यानी का पता बदलने वाला है। वर्तमान में पीएमओ साउथ ब्लॉक में स्थित है जो अगले महीने एग्जिक्यूटिव एन्कलेए में शिफ्ट हो जाएगा।सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत तैयार किए गए इस नए एन्क्लेव में प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा कैबिनेट सचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और एडवांस कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा भी होगी। नया पीएमओ प्रधानमंत्री के आवास से अधिक से ज्यादा नजदीक है। साउथ ब्लॉक स्थित पीएमओ में आधुनिक सुविधाओं की कमी है।

कांगड़ा में 2 रशियन समेत 3 गिरफ्तार

धर्मशाला,17 अगस्त 2025 (ए)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में पुलिस ने ड्रग तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए स्वतंत्रता दिवस के दिन 3 लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए रूसी नागरिकों में एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 102 ग्राम चरस बरामद की है। वहीं, एक अन्य मामले में बैजनाथ पुलिस स्टेशन की गश्ती टीम ने एक शख्स के पास से 78.30 ग्राम चरस बरामद की है।

जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन पर निहंगों का हुड़दंग

आरपीएफ जवानों से हाथापाई, पुलिस पोस्ट पर हमला,चौकी के शीशे तोड़े

जालंधर ,17 अगस्त 2025 (ए)। जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन पर उस वक्त अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया, जब निहंग बाणे में आए कुछ युवकों ने रेलवे सुरक्षा बल के जवानों के साथ न सिर्फ हाथापाई की, बल्कि आरपीएफ चौकी पर हमला कर तोड़फोड़ भी की। हाथों में तलवारें और अन्य हथियार लहराते युवकों को देख यात्रियों में भगदड़ मच गई। यह पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

कौन बनेगा देश का अगला उपराष्ट्रपति

⏩ बिहार चुनाव के मद्देनजर राज्यसभा के वर्तमान डिप्टी चेयरमैन हरिवंश का नाम भी रेस में शामिल

» बीजेपी के 8 चेहरे रेस में शामिल

» आरएसएस से जुड़े नेता का भी नाम

» बीजेपी में 6 राज्यों के राज्यपाल के नामों पर मंथन...

» पीएम मोदी और जेपी नड्डा को मिली उम्मीदवार चुनने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली,17 अगस्त 2025 (ए)। देश में जल्द ही उपराष्ट्रपति पद के चुनाव होने वाले हैं। चुनाव में 1 महीने से भी कम का समय बचा है। ऐसे में उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए कई दिग्गज नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं। सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खेमें में भी कुछ नामों पर चर्चा तेज हो गई है।

रेस में 6 राज्यों के राज्यपाल

कयासों की इस फेहरिस्त में सबसे ऊपर दिल्ली के राज्यपाल वीके सक्सेना और बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का नाम शामिल है।

रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत, सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर और जम्मू कश्मी के राज्यपाल मनोज सिन्हा भी उपराष्ट्रपति पद की रेस में शामिल हैं।

आरएसएस नेता का भी नाम चर्चा में

इसके अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से शीशाधारी चारी का नाम भी सामने आ रहा है। आगामी बिहार चुनाव को ध्यान में रखते हुए राज्यसभा के वर्तमान डिप्टी चेयरमैन ह रिवंश को भी उपराष्ट्रपति बनाया जा सकता है। बीजेपी ने पहले ही साफ कर दिया है कि अगला उपराष्ट्रपति उन्हीं की पार्टी से होगा।

कब होंगे उपराष्ट्रपति के चुनाव?

पिछले एक महीने में कई राज्यों के राज्यपाल और उपराज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की है। बता दें कि आगामी 9 सितंबर को उपराज्यपाल पद के चुनाव होंगे।

कौन चुनेगा बीजेपी का उम्मीदवार?

बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने पीएम मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार चुनने का दारोमदार सौंपा गया है।

एनडीए की बैठक

मंगलवार को एनडीए ने सभी सांसदों की संसदीय बैठक बुलाई है। मुमकिन है कि इस दौरान पीएम मोदी सभी सांसदों को संबोधित करें। बता दें कि उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद मतदान करेंगे, जिसके बाद जीतने वाले उम्मीदवार को उपराष्ट्रपति बनाया जाएगा।

शिबू सोरेन के संस्कार भोज में उमड़ा जनसैलाब

⏩ दाल-चावल पूड़ी से लेकर मछली फाई-मटन तक का था व्यवस्था

» कई जिलों की सुरक्षा बल तैनात

रांची,17 अगस्त 2025 (ए)। शिबू सोरेन के दशकर्म संस्कार भोज में शामिल होने के लिए नेमरा में लोगों का आना जारी है। इस दौरान भोज में कई चीजों को शामिल किया गया है। वहीं,भोज में दिशोम गुरु के पंसद की चीजों को तैयार किया गया है। भोज में हिस्सा लेने के लिए नेताओं से लेकर आम लोग आ रहे हैं। इस भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए कई जिलों के सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

शाकाहारी और मांसाहारी भोजन की अलग-अलग थी व्यवस्था

खाने पीने के लिए ढाई पंडाल लगे हैं। एक पंडाल में एक बार में 2500 लोगों के बैठने की क्षमता है। करीब 8000 लोग एक बार में बैठकर संस्कार भोज ले सकता है। यहां सादे लिबास से लेकर वर्दी तक में सुरक्षा बल मौजूद हैं। यहां मेहमानों के लिए कुल 12 तरह के व्यंजन परोसे गए, जिसमे दाल, चावल, पूड़ी,आलू परवल की सब्जी, मिक्स भेज,मछली फ्राई,मटन,दही, रसगुल्ला, गुलाब जामुन,बुंदिया, पापड़, सलाद आदि शामिल था। इसके साथ ही गुरु जी शिबु सोरेन के पसंद की पकौड़ी भी बनी थी।

खुद सीएम लेते रहे भोज खाने के संदर्भ में जानकारी

करीब 2 लाख से ज्यादा लोगों का इंतजाम था और देर रात तक संस्कार भोज चलता रहा. संस्कार भोज में शाकाहारी खाने वाले आगंतुकों के लिए अलग व्यवस्था थी और मांसाहारी खाने वालों के लिए अलग व्यवस्था थी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं संस्कार भोज में शामिल होने के लिए पहुंचे अति विशिष्ट,विशिष्ट मेहमानों के साथ-साथ लाखों की संख्या में पहुंचे आगंतुकों से मिलकर उनके भोज खाने के संदर्भ में जानकारी हासिल कर रहे थे। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संस्कार भोज को लेकर रामगढ़ जिला के गोला प्रखंड के नेमरा गांव मे प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरीके से मुम्मल रखी गई थी। हर एक आगंतुकों के साथ-साथ व्यवस्थाओं पर निगरानी रखने के लिए धूमकुड़िया केंद्र में पुलिस कंट्रोल रूम बनाया गया था।

2500 से ज्यादा पुलिसबल तैनात,लोगों को लाने के लिए ऑटो की व्यवस्था

संस्कार भोज की सुरक्षा व्यवस्था में 10 आईपीएस अधिकारी, 60 डीएसपी, 65 इंस्पेक्टर और लगभग 2500 से ज्यादा की संख्या में पुलिस के जवान पूरी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में सुबह से ही लगे हुए थे। इसके साथ ही आगंतुकों के पार्किंग स्थल से लेकर नेमरा गांव के कार्यक्रम स्थल तक आने जाने के लिए 300 से अधिक ई रिक्शा की भी व्यवस्था की गई थी।

संस्कार भोज में कई राज्यों के लोग हुए शामिल

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके संस्कार भोज में शामिल होने और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए न सिर्फ झारखंड के 24 जिले बल्कि झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल,छत्तीसगढ़,बिहार से भी बड़ी संख्या में लोग उनके पैतृक गांव नेमरा पहुंचे थे। सुबह 11:00 के बाद से ही आम लोगों को संस्कार भोज खिलाने का सिलसिला शुरू हो गया था जो देर रात तक चला. विशेष तौर पर तीन बड़े पंडाल बनाए गए थे जिसमें एक साथ बैठकर 5000 से ज्यादा लोग संस्कार भोज ग्रहण कर रहे थे।

ये बड़े राजनीतिक हस्तियां भी हुई शामिल

स्वर्गीय दिशोम गुरु के संस्कार भोज में अनेक अति विशिष्ट और विशिष्ट मेहमानों के साथ लाखों की संख्या में आमजन शामिल हुए। इनमें झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार,केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी,बाबा रामदेव सहित कई मंत्री,सांसद,विधायक, पूर्व मंत्री, पदाधिकारी और प्रबुद्धजन शामिल हुए। सभी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से कामना की। इस दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की. साथ ही गुरुजी के साथ अपने संबंधों,बिताए गए पलों तथा अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ झारखंड हित की बातें करते थे। उनका इस तरह दुनिया को अलविदा कहना इस राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है।

पीएम मोदी ने दिल्ली को दी सौगात

» 40 मिनट में पूरी होगी 2 घंटे की दूरी

नई दिल्ली,17 अगस्त 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (17 अगस्त) को दिल्ली और हरियाणा को जोड़ने वाले दो बड़े हाई-स्पीड कॉरिडोर अर्बन एक्सटेंशन रोड-द्वितीय और द्वारका एक्सप्रेसवे (दिल्ली हिस्सा) का उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद रहे। करीब 11,000 करोड़ की लागत से तैयार ये दोनों प्रोजेक्ट एनसीआर की ट्रैफिक तस्वीर बदल देंगे। अब सिंघु बॉर्डर से दिल्ली एयरपोर्ट तक का सफर, जो पहले 2 घंटे लेता था, सिर्फ 40 मिनट में पूरा होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि लक्ष्य है दिल्ली को जाम और प्रदूषण से मुक्त करना, और ये सड़कें उसी दिशा में बड़ा कदम हैं।

7 दिन में हलफनामा करें दायर या तो देश से मांगे माफी

नई दिल्ली,17 अगस्त 2025 (ए)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप और बिहार एसआईआर पर मचाए राजनीतिक बवाल के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची में सभी कमियों को दूर करना है और यह गंभीर चिंता का विषय है कि कुछ दल इसके बारे में गलत सूचना फैला रहे हैं और चुनाव आयोग के कंधे से निशाना साध रहे हैं। ईसी ने डबल वोटिंग और 'वोट चोरी' के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि सभी हितधारक पारदर्शी तरीके से विशेष गहन पुनरीक्षण (एस आई आर) को सफल बनाने के लिए काम कर रहे हैं। राहुल गांधी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि या तो वो 7 दिन में हलफनामा दायर करें या तो देश से माफी मांगे। विपक्ष की ओर से बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के समय पर सवाल उठाए जाने पर कुमार ने कहा कि यह एक मिथक है कि एसआईआर जल्दबाजी में किया गया है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक चुनाव से पहले मतदाता सूची को सही करना चुनाव आयोग का कानूनी कर्तव्य है। उन्होंने कहा, यह गंभीर चिंता का विषय है कि कुछ दल और उनके नेता बिहार में एसआईआर पर गलत सूचना फैला रहे हैं। कुछ राजनीतिक दल चुनाव आयोग के कंधे पर बंदूक रखकर निशाना साध रहे हैं।

22 अगस्त को औंटा-सिमरिया पुल का उद्घाटन

पटना,17 अगस्त 2025 (ए)। उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला गंगा नदी पर एक और पुल बनकर तैयार है। मोकामा के औंटा घाट को बेगूसराय के सिमरिया से जोड़ने वाले सिक्स लेन पुल का उद्घाटन आगामी 22 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। औंटा घाट से सिमरिया के बीच गंगा नदी पर बने इस सिक्स लेन पुल की कुल लम्बाई 8.150 किमी है। जबकि गंगा नदी पर इस पुल की लम्बाई 1.865 किमी है। इस परियोजना की कुल लागत 1871 करोड़ रूपये है। बख्तियारपुर से मोकामा के बीच बनी नई 4 लेन सड़क का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 अगस्त को किया जाएगा। इस नए पुल के बनने से बेगूसराय सहित संपूर्ण क्षेत्र के विकास को एक नई गति मिलेगी। यह विकासशील बिहार के आधुनिक आधारभूत ढांचे का प्रतीक होगा। राजेंद्र पुल के समानांतर बने इस पुल पर फ़िलहाल एक लेन से वाहनों का आना-जाना जारी है। जबकि दूसरे लेन का काम भी अब पूरा हो चुका है।

आज निकलेगी बाबा महाकाल की राजसी सवारी

» पुजारी समिति ने की विशेष सुरक्षा की मांग

उज्जैन,17 अगस्त 2025 (ए)। धार्मिक नगरी उज्जैन में आज भगवान महाकाल की राजसी (शाही) सवारी निकल जाएगी। परंपरा अनुसार सवारी महाकाल से शाम 4:00 बजे शुरू होगी। सवारी में शामिल होने के लिए देशभर से श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। पिछली सवारियों के अनुभव को देखते हुए महाकालेश्वर मंदिर पुजारी समिति के महामंत्री महेश पुजारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भगवान महाकाल की सवारी की पालकी के लिए विशेष सुरक्षा की मांग की है। महाकाल मंदिर के पुजारी महेश शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि मंदिर प्रबंध समिति के सुरक्षा अधिकारियों द्वारा पालकी की सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मृतकों के परिजनों को 2 लाख,घायलों और घरों के नुकसान पर भी मिलेगा मुआवजा

श्रीनगर,17 अगस्त 2025 (ए)। कठुआ आपदा पर जम्मू-कश्मीर सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। गंभीर रूप से घायलों को एक लाख रुपए और मामूली रूप से घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसकी जानकारी दी है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कठुआ में हाल ही में हुए बादल फटने से प्रभावित लोगों के जीवन और संपत्ति के प्रति गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ सहायता के अलावा मुख्यमंत्री राहत कोष से अनुग्रह राशि की घोषणा की है। प्रत्येक मृतक के लिए 2 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों के लिए 1 लाख और मामूली रूप से घायलों के लिए 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।आपदा में घरों को हुए नुकसान को लेकर भी मुख्यमंत्री ने मुआवजे की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया, पूरी तरह क्षतिग्रस्त घरों के लिए 1 लाख रुपए, गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए 50 हजार रुपए और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए 25 हजार रुपये की सहायता दी गई।

एल्विश यादव के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली,17 अगस्त 2025 (ए)। गुरुग्राम के सेक्टर 56 में यूट्यूबर और बिग बॉस विनर एल्विश यादव के घर पर रविवार सुबह तड़के करीब 5:30 से 6 बजे के बीच अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की. बाइक पर सवार तीन नकाबपोश हमलावरों ने करीब 24 से 30 राउंड गोलियां चलाई, जिसके बाद वो मौके से फरार हो गए। अब इस मामले में नया अपडेट आया है। इस हमले की जिम्मेदारी गैंगस्टर हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुरिया ने ली है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में इसका दावा किया गया है। विदेश में बैठे गैंगस्टर हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुरिया ने एल्विश यादव के घर पर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी ली। गैंगस्टर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि,जय भोले की, हां भाई राम राम सारे भाइयों को. आज जो एल्विश यादव के घर गोली चली है, वो नीरज फरीदपुर और भाऊ रितोलिया ने चलाई है. इसको आज हमने अपना परिचय दिया है।

संपादकीय

एमएबी में बढ़ोत्तरी यकीनन अप्रिय और अनुचित

आईसीआईसीआई बैंक,भारत का दूसरा सबसे बड़ा निजी बैंक,ने एक अगस्त या उसके बाद खोले जाने वाले नये बचत बैंक खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि की अनिवार्यता पांच गुना बढ़ा कर 50 हजार रुपये कर दी है। आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहकों के लिए 31 जुलाई, 2025 तक बचत बैंक खातों में न्यूनतम मासिक औसत शेष राशि (एमएबी) 10 हजार रुपये थी। बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक,अर्ध-शहरी इलाकों में यह सीमा 25 हजार और ग्रामीण इलाकों में 10 हजार रुपये कर दी गई है। अलबत्ता,एक अगस्त से पहले खोले गए बचत खातों पर यह नियम लागू नहीं होगा। वेतन खातों,प्रधानमंत्री जनधन खातों और बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट अकाउंट धारकों को इस नियम से छूट मिलेगी क्योंकि ये सभी जीरो बैलेंस खाते हैं।इसके अलावा, वेतनभोगियों को भी बढ़े शुल्कों से छूट मिलती रहेगी। अरसे से बैंक में न्यूनतम राशि बनाए रखने को लेकर बैंक सेवाभोगियों की शिकायत जब-तब उठती रही है। इस बाबत केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के बैंक सेवा प्रभाग में शिकायतें भी पहुंचीं।कहा गया कि न्यूनतम राशि खाते में बनाए रखने के नाम पर ग्राहकों को बेजा परेशान किया जाता है। मामले ने तूल पकड़ा तो कुछ बैंकों ने इस अनिवार्यता को या तो शिथिल कर दिया है, या बिल्कुल ही खत्म कर दिया। स्टेट बैंक ने सबसे पहले इस दिशा में कदम उठाते हुए 2020 में न्यूनतम राशि की सीमा को खत्म कर दिया था।बाद में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी यह अनिवार्यता समाप्त कर दी। इंडियन बैंक ने भी हाल में 7 जुलाई, 2025 को न्यूनतम राशि रखने की अनिवार्यता को समाप्त किया है। दरअसल, इस बात को समझा जाना जरूरी है कि बैंक ग्राहक-हितैषी सेवा प्रदान करें।ऐसा न हो कि बैंकिंग सेवा ग्राहकों के लिए अप्रिय अनुभव साबित होने लगे। देश में बैंकिंग हैबिट पैदा करने के लिए बैंकों को खासी जद्दोजेहद करनी पड़ी है।लोग बैंकों में पहुंचने लगे हैं,तो यह नहीं होना चाहिए कि उनसे धन निकासी की मासिक सीमा तय करके और न्यूनतम राशि बनाए रखने के नाम पर अप्रिय फैसले थोपे जाएं।जरूरी है कि बैंकिंग को आम जन के लिए खुशनुमा अनुभव बनाया जाए। आईसीआईसीआई की एमएबी में पांच गुना की बढ़ोतरी यकीनन अप्रिय और अनुचित कही जाएगी।

सुनो नहरों की पुकार:जनजागरण अभियान

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

आस्था का सच्चा स्वरूप यही है कि हम प्रकृति का सम्मान करें,नहरों को निर्मल रखें और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जल का उपहार दें। सुनो नहरों की पुकार मिशन हमें यह सिखाता है कि असली पूजा नदियों और नहरों को स्वच्छ रखना है। पूजा सामग्री बहाना एक परंपरा नहीं,बल्कि एक भूल है। प्लास्टिक, कपड़े,मूर्तियाँ और कचरा नहरों को विषैला बना रहे हैं। इससे न केवल जल प्रदूषित होता है,बल्कि कृषि, पशु और मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ता है। यह मिशन आस्था और पर्यावरण को जोड़ने का प्रयास है। संकल्प लें–नहरों को प्रदूषित नहीं करेंगे, जल को बचाएँगे और जीवन को सुरक्षित रखेंगे। यही सच्ची श्रद्धा है और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार है। नहरें केवल पानी की धाराएँ नहीं होतीं। ये खेतों की हरियाली की लहर हैं, पशुओं की प्यास बुझाने वाली धारा हैं,और गाँव-गाँव में जीवन की गूँज बिखेरती संस्कृति की निसर्ग-गाथा हैं। परंतु आज ये जीवन-रेखाएँ मनुष्य की भूलों से आहत हैं। पूजा के बाद की सामग्री,कपड़े,मूर्तियाँ, प्लास्टिक, सिंदूर और यहाँ तक कि मृत पालतू पशुओं तक को लोग नहरों में डाल देते हैं। आस्था के नाम पर यह प्रदूषण,जल और जीवन दोनों के लिए अभिशाप बन गया है।

इसी पीड़ा से जन्मा है–सुनो नहरों की पुकार–एक जागरूकता अभियान, जिसकी शुरुआत रोहतक में डा. जसमेर सिंह हुड्डा (संयोजक)एवं हिसार में माश्र भूपेंद्र सिंह गोदारा द्वारा हुई और जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में हजारों दिलों तक दस्तक दी।

मास्टर भूपेंद्र गोदारा और साथियों का संकल्प

गुरेरा गाँव की मिट्टी से उठे मास्टर भूपेंद्र गोदारा ने यह बीड़ा उठाया कि नहरों को उनकी पवित्रता लौटाई जाए। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले–सुबेदार मेजर दलीप सिंह,टेकचन्द बागड़ी, श्री दलवीर पोटलिया,रिटायर्ड आचार्य विजेन्द्र सिंह,कृष्ण कुमार,प्राचार्य अजीत सिंह,निहाल सिंह गोदारा,श्री पवन कुमार और अनेक जागरूक साथी।इन सबका विश्वास है कि जब तक समाज अपनी आदतें नहीं बदलेगा,तब तक नहरों की आत्मा को शांति नहीं मिलेगी।

पिछले कई वर्षों की यात्रा : एक संकल्प, एक तपस्या

कोरोना के भयावह समय में भी, यह कारवाँ नहीं रुका। रविवार हो या छुट्टी का दिन,त्यौहार हो या बरसात–टीम अपने हाथों में तख्तियाँ लिए नहरों के किनारे खड़ी मिलती है। तख्तियों पर लिखे शब्द जैसे जनता से संवाद करते हैं–जल है तो कल है,नहरों को प्रदूषित मत करो,आस्था है तो स्वच्छता भी हो।

इस यात्रा में हिम्मत सिंह,रामुर्ती, नरेंद्र कुल्हड़िया,प्रवीण वकील, सुरेंद्र गोदारा, संदीप,सीताराम,शेर सिंह, विकास गोदारा,रामभगत पुनिया, जैसे समाजसेवियों ने स्वर मिलाया। वहीं सुमन गोदारा, संतोष गोदारा, रचना, पुष्पा, कमला, सुनीता, शीला, तारा देवी, सुदेश ढांडा जैसी महिलाओं ने इस अभियान को और गहराई दी।गुरेरा से इंस्पेक्टर उदयभान गोदारा ने भी समाज से आह्वान किया कि जब तक यह आवाज़ हर गली-मोहल्ले तक नहीं पहुँचेगी, तब तक बदलाव अधूरा रहेगा।

नहरें आहत क्यों हैं?

वह जलधारा जो खेतों में सुनहरे बालियाँ उगाती है,वही जब प्लास्टिक और पूजा सामग्री के बोझ से दब जाती है, तो विष बन जाती है। इस प्रदूषित जल से मिट्टी बीमार होती है, फसलें अस्वस्थ होती हैं और अंततः वही अन्न और सब्ज़ी हमारे थालियों में पहुँचती हैं।यह केवल खेती तक सीमित नहीं–नहरों से पानी पीने वाले पशु और जीव भी रोगों से ग्रसित हो जाते हैं। वैज्ञानिक चेतावनी दे चुके हैं कि यह प्रदूषण कैंसर, हृदय रोग और अनेक असाध्य बीमारियों का कारण बन रहा है।

धर्म की नई परिभाषा

अभियान का मूल संदेश यही है–धर्म का अर्थ है प्रकृति की रक्षा।

भगवान को प्रसन्न करने का सबसे सच्चा मार्ग यही है कि हम जल को शुद्ध रखें, पेड़ों की रक्षा करें और जीव-जंतुओं की सुरक्षा करें। पूजा सामग्री को नहर में बहाना धर्म नहीं, बल्कि अधर्म है।

मास्टर भूपेंद्र गोदारा बार-बार प्रश्न करते हैं...

हे प्रभु,आपके नाम पर लोग प्रकृति का इतना अपमान क्यों कर रहे हैं? यह कैसी आस्था है, जो जीवनदायिनी नहरों को विष से भर रही है? उनकी पीड़ा ही इस आंदोलन का प्रकाश बनी।

जनता की भागीदारी से ही बदलाव

हर अभियान का प्राण जनता की भागीदारी होती है। जब-जब समाज ने ठान लिया,तब-तब असंभव भी संभव हुआ। सुनो नहरों की पुकार ने हजारों लोगों की सोच बदल दी है। अब लोग पूजा सामग्री को नहरों में बहाने के बजाय मिट्टी में दबाने, पौधों के नीचे रखने या खाद बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। यह छोटे-छोटे कदम हैं,मगर इन्हीं से भविष्य के लिए बड़ा परिवर्तन संभव होगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जीवन बचाना है तो नहरें बचानी होंगी

यह अभियान केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक प्रार्थना भी है...

नहरों को स्वच्छ रखो, जीवन को सुरक्षित रखो।

नहरें यदि बचेंगी तो खेत हरे-भरे रहेंगे, पशु-पक्षी जीवित रहेंगे, और आने वाली पीढ़ियों के चेहरे पर मुस्कान बनी रहेगी।

सुनो नहरों की पुकार दरअसल हमारी अंतरात्मा की भी पुकार है–जो हमें याद दिलाती है कि जल ही जीवन है, और इसे बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

हवा-पानी की आजादी के बिना आजादी अधूरी

ललित गर्ग
पटपड़गंज,न्यू दिल्ली-92

देश एवं दुनिया के सामने स्वच्छ जल एवं बढ़ते प्रदूषण की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। शुद्ध हवा एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल एवं हवा सबसे जरूरी वस्तु है, जल एवं हवा है तो जीवन है। जल एवं हवा ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जीवन के तीन आधार तत्व हैं-हवा, पानी और धरती है। इनकी संरक्षा न केवल हमारी अस्तित्व-निर्भरता से जुड़ी है, बल्कि मानवता की नैतिक जिम्मेदारी भी है। आज का युग,जिस तेज़ी से विकसित हो रहा है, उसी भागदौड़ में हवा और पानी को परम स्वाधीनता से वंचित कर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, दिल्ली का उच्च प्रदूषण सूचकांक,अमेरिका के जंगलों की धुएं से गंदली हवा,बढ़ता वाहन प्रदूषण-ये सब संकेत देते हैं कि हवा से आज़ादी मतलब 'स्वस्थ हवा' पाना है। हमारे आज़ादी को नया अर्थ चाहिए तो यह प्राकृतिक संसाधनों यानी हवा एवं पानी की आज़ादी पर भी निर्भर है,जो मानव व पर्यावरण-जगत दोनों के लिए जीवनदायिनी है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं है,बल्कि जीवन के हर पहलू में सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक अस्तित्व का अधिकार है। 78वें स्वतंत्रता दिवस पर जब हम आज़ादी का जश्न मना रहे हैं, तब यह सवाल भी उठाना जरूरी है कि क्या हमें हवा और पानी की सच्ची आज़ादी मिली है? आज़ादी केवल तिथि नहीं,एक निरंतर संघर्ष है। यह सिर्फ़ झंडा फहराने का अधिकार नहीं,बल्कि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाएं,समान अवसर और सम्मान देने की जिम्मेदारी है। हवा, पानी और धरती-इनके बिना जीवन संभव नहीं। पर दुर्भाग्य से आज इन मूलभूत संसाधनों पर गहरा संकट है। स्वच्छ हवा में सांस लेना और शुद्ध पानी पीना अब विलासिता जैसी चीज़ बनती जा रही है। 'हवा-पानी की आज़ादी' का मतलब है कि हर व्यक्ति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी तक सहज पहुंच हो। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि मानवता का मूल अधिकार है। परंतु शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों के दुरुपयोग ने हवा और पानी दोनों को विषाक्त बना दिया है। विश्व में 2.2 अरब लोगों के पास सुरक्षित पेयजल की सुविधा नहीं है। भारत में करोड़ों लोग अभी भी दूषित या अपर्याप्त पानी पर निर्भर हैं। रसायनयुक्त कृषि, औद्योगिक अपशिष्ट,प्लास्टिक प्रदूषण और भूजल के अंधाधुंध दोहन ने जल की गुणवत्ता को लगातार गिराया है।

जल संकट भविष्य में सबसे बड़ा युद्ध का कारण बन सकता है। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ती युद्ध की संभावनाओं का कारण भी जल ही बनता हुआ दिख रहा है। ऑपरेशन सिंधूर के बाद भारत ने पाक पर सिंधु जल समझौते को रद्द कर देने से पाक में जल संकट खड़ा हो गया है, पाक की ओर से परमाणु बम की धमकी दी जा रही है, वहीं भारत भी युद्ध की संभावनाओं को देखते हुए तैयार में जुट गया है। जल संकट केवल भारत और पाक में ही नहीं, दुनिया में एक बड़ी समस्या है। क्योंकि ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नदियों का प्रवाह घट रहा है, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़, सूखा और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2000 से अब तक बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धरती का 70 प्रतिशत भाग पानी से भरा है, लेकिन पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत है,जिसमें से उपयोगी मीठा जल 1 प्रतिशत से भी कम है। बढ़ती जनसंख्या और बर्बादी ने इस अमूल्य संसाधन को गंभीर संकट में डाल दिया है। दिल्ली और अन्य महानगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक लगातार'बहुत खराब'या 'खतर नाक' श्रेणी में पहुंचता है। प्रदूषित हवा श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर तक का कारण बन रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। रिसर्च बताती है कि दिल्ली के 75 प्रतिशत से अधिक बच्चों को सांस लेने में कठिनाई होती है, आंखों में जलन और खांसी की शिकायत रहती है। वाहन प्रदूषण,औद्योगिक धुआं,निर्माण गतिविधियों की धूल और फसल अवशेष जलाना-ये सब मिलकर हवा को ज़हरीला बना रहे हैं। भारत के पास जल प्रबंधन की प्राचीन परंपरा रही है-तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और सरोवर जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण हैं। राजस्थान के किलों और गांवों में जल संचयन व्यवस्था आज भी दुनिया के लिए प्रेरणा है। पर्यावरणविद अनुपम मिश्र कहते थे...अब भी खरे हैं तालाब। आज आवश्यकता है कि हम इन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर जल संकट का समाधान करें। सरकार ने 'अटल भूजल योजना', 'नल से जल' और 'नदी पुनर्जीवन' जैसी योजनाएं शुरू की हैं। लेकिन केवल सरकारी प्रयास काफी नहीं, जनभागीदारी आवश्यक है। गांव-गांव में वर्षा जल संचयन, नदियों की सफाई,औद्योगिक अपशिष्ट का प्रबंधन और भूजल संग्रहण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। हवा की शुद्धता के लिए जरूरी है कि सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय और सुलभ बनाया जाये, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जाये, औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त नियंत्रण हो, हरित क्षेत्र और वृक्षारोपण को बढ़ाना अत्यंत जरूरी कदम हैं। आज़ादी का असली मतलब यह है कि सत्ता का केंद्र नागरिक हो, उसकी मूलभूत सुविधाएं हो और उसकी आवाज़ सिर्फ़ चुनावी भाषणों में नहीं, नीतियों और फैसलों में भी सुनी जाए। आजादी के अमृतकाल में 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए हमें हवा एवं पानी की आजादी के लिये संकल्प लेना होगा। वायु-जल संसाधनों पर गहराते संकट को खत्म करने के लिए अपनी जीवन-शैली में परिवर्तन करना होगा। इसके लिए सभी लोगों को बच्चे-बूढ़े,स्त्री-पुरूष,किसान,उद्यमियों सभी को पहल करनी है। पानी को बचाने एवं हवा की शुद्धि की आदत को व्यवहार में ढालना होगा। हवा में घूल रहा प्रदूषण भी खतरनाक होता जा रहा है। भू-विज्ञान मंत्रालय के एक रिसर्च के अनुसार वायु निर्माण में 41 प्रतिशत हिस्सेदारी वाहनों की रहती है। भवन निर्माण आदि से उड़नेवाली धूल 21.5 प्रतिशत के दूसरे स्थान पर है। दिल्ली परिवहन विभाग के आंकड़े के मुताबिक पिछले 30 साल में वाहन और उनसे होने वाला प्रदूषण तीन गुणा बढ़ गया है। फिर भी सार्वजनिक यातायात व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कुछ खास नहीं किया गया। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर राजनीतिक दल एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। खेती में प्रदूषकों की रोकथाम से जल संसाधनों के संकट और पारिस्थिकी तंत्र में बदलाव के संकट को कम किया जा सकता है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को नियमित करके समस्या को काफी हद तक सुलझाया जा सकता है। उपलब्ध जल संसाधनों तक उपभोग को सीमित करके, संसाधन पर दवाब कम किया जा सकता है।

आज हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं,हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है, विज्ञान और तकनीक में नए मुकाम हासिल हो रहे हैं। मेट्रो ट्रेन,डिजिटल पेमेंट,सैटेलाइट मिशन और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव हमें गर्व से भर देता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक सच छुपा है-हमारी आज़ादी अब भी अधूरी है। यह अधूरापन केवल गरीबी या बेरोज़गारी का नहीं,बल्कि शुद्ध हवा-पानी जैसी मूलभूत जरूरतों से जुड़ी सोच,व्यवस्था और व्यवहार में गहरे बैठी असमानताओं का है। हमने अंग्रेज़ी शासन से मुक्ति पाई,लेकिन अगर हमारे बच्चे दूषित हवा में सांस लें और जहरीला पानी पिएं,तो यह कैसी आज़ादी है? आज़ादी का वास्तविक अर्थ तभी होगा जब हर नागरिक को स्वच्छ हवा और शुद्ध पानी मिले। 78 वां स्वतंत्रता दिवस केवल झंडा फहराने और भाषण देने का नहीं, बल्कि जीवनदायिनी संसाधनों की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर है। अपने घर, मोहल्ले और कार्यस्थल पर पानी बचाने की आदत डालें। प्लास्टिक का उपयोग कम करें। वर्षा जल संचयन करें। प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों का विरोध करें। वृक्षारोपण को जीवन का हिस्सा बनाएं। क्योंकि हवा और पानी की आज़ादी ही जीवन की सच्ची आज़ादी है।

कविता
कितने अजीब हैं लोग ...

घटती-घटना

प्रो.शामलाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

वायदा भी करते हैं
निभा नहीं सकते
किसी न किसी बहाने टालते हैं।
सच की तो कोई
कदर जानते ही नहीं
हो अगर झूठ उसे
बहुत उछालते हैं।
मां बाप की तो सेवा
करते ही नहीं
हां, कुत्तों को बड़े शौक से
पालते हैं।
अपने रिश्तेदार के साथ
संबंध रखते नहीं
जिससे हो मतलब
उसे बहुत संभालते हैं।
तगड़े आदमी के तो
चाटते हैं यह तलवे
उसकी कसर कमजोर
से ही निकालते हैं
उम्र भर खाते हैं
यह लोग नमक जिनका
वक्त आने पर
उन्ही का खून निकालते हैं।
दिल से नहीं होता
इनका किसी से वास्ता
यह दूसरों के
नेक कामों पर मिट्टी डालते हैं।
यह बड़े अजीब मिजाज
की है दुनिया दोस्तों
झुकाते हैं जो पहले आंख,
फिर आंख दिखाते हैं।

मैं अपनी खुशी की खातिर इन जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ सकती

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह
हरदा मध्य प्रदेश

कश्मीर की वादियों में उस सुबह झेलम की धारा कलकल करती बह रही थी। डल झील पर हल्की धुंध तैर रही थी और चिनार के पत्तों की सरसराहट हवा में गूँज रही थी। इन्हीं खूबसूरत नज़ारों के बीच अरमान रोज़ाना कॉलेज जाया करता था। उसके लिए कॉलेज केवल पढ़ाई की जगह नहीं था,बल्कि वहाँ उसकी एक उम्मीद बसती थी,इनाया।सफेद दुपट्टे में लिपटी इनाया की आँखों में झील जैसी गहराई थी। चाल-ढाल में सादगी और चेहरे पर ऐसी हया कि देखने वाला नज़र झुका ले। मगर उसकी इस मासूमियत के पीछे जिम्मेदारियों का पहाड़ छिपा था। बीमार पिता,बहनों की पढ़ाई और उनके निकाह का बोझ,और भाई की बेरुखी–सब कुछ उसके छोटे से कंधों पर था। कक्षा में जब वह किताबों में डूबी रहती, अरमान की नज़रें उसी पर ठहर जाया करतीं। कई बार उनकी आँखें मिलीं,मगर फिर इनाया झट से नज़रें झुका लेती। उसके दिल की किताब में भी शायद वही हर्फ़ लिखे थे, जिन्हें आरमान अपनी निगाहों से पढ़ना चाहता था। एक दिन लाइब्रेरी में दोनों एक ही किताब के लिए हाथ बढ़ा बैठे। खामोशी और गहरी हो गई। आरमान ने हिम्मत करके कहा, इनाया अब मैं और नहीं छिपा सकता। मेरी दुआओं का नाम आप हैं। अगर आप चाहें तो यह मोहब्बत नज़रें चुराने तक सीमित न रहे,बल्कि ज़िन्दगी की रहगुज़र तक पहुँच जाए। इनाया की आँखें भीग गईं। उसने धीमी आवाज़ में कहा,आरमान आप नेक हैं, मगर मैं अपनी मोहब्बत को अपने फ़र्ज़ के आगे झुका नहीं सकती। वालिद बीमार हैं, घर का बोझ मुझ पर है, दो बहनों की शादियों की फिक्र है। मैं अपनी खुशी की खातिर इन जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ सकती।

उस दिन अरमान का दिल टूट गया, मगर उसने उसके फैसले की इज़्ज़त की। उसने बस इतना कहा,तो मेरी मोहब्बत अब आपकी दुआ बनकर रहेगी।मैं आपको मजबूर नहीं करूंगा। वक्त का दरिया तेज़ी से बहा। इनाया ने अपने वालिद की सेवा की,बहनों की शादियाँ कराई,नौकरी की थकान और घर की जिम्मेदारियों को उठाते-उठाते अपनी जवानी खो दी। भाई अपनी शादी के बाद अलग हो गया और फिर एक दिन उसके वालिद भी अल्लाह को प्यारे हो गए। घर की सारी रौनक बुझ गई। इनाया के हिस्से में रह गई सिर्फ़ तन्हाइयों से भरी लंबी रातें और भारी खामोशियाँ। वह अक्सर खिड़की से बाहर दूर बर्फ़ीली वादियों को देखती और दिल से एक आह निकलती, काश मैंने उस दिन अरमान का हाथ थाम लिया होता तो आज इतना अकेला न होती। बरसों बाद, मोहल्ले की एक शादी में अचानक किस्मत ने उन्हें फिर मिला दिया। दोनों सफेद बालों और झुर्रियों के साथ खड़े थे, मगर दिल अब भी उतने ही जवां थे। आँखें मिलते ही सब पुराने लम्हे ताज़ा हो गए। अरमान ने कंपती आवाज़ में कहा, इनाया हमने जवानी खो दी,मगर मोहब्बत को कभी दिल से नहीं निकाल पाए। क्या अब भी हमें बचे हुए दिन साथ बिताने का हक़ नहीं है? इनाया की आँखों से आँसू बह निकले। उसने धीमे स्वर में कहा, अरमान,अगर मोहब्बत इतनी सब्र वाली रही,तो इसे मुकम्मल होना ही चाहिए। सादगी और दुआओं के साए में उनका निकाह हो गया। अब जब लोग उन्हें देखते तो कहते, यही मोहब्बत है,जो वक्त और जुदाई के हर इम्तिहान के बाद भी जिन्दा रही। डल झील की ठंडी हवा,चिनार के पत्तों की सरसराहट और कश्मीर की वादियाँ अब उनकी मोहब्बत की गवाह बन गईं। शाम ढलते ही झील के किनारे लकड़ी की बेंच पर दोनों बैठते। उनके सफेद बाल सुनहरी धूप में ऐसे चमकते जैसे चांदी के तार। उंगलियों में कंपन था,मगर वे एक-दूसरे का हाथ कस कर थामे रहते। इनाया मुस्कुराकर कहती,आरमान, हमारी मोहब्बत ने जवानी को कभी देखा ही नहीं,मगर देखिए,इस बुढ़ापे में ये कितना सुकून दे रही है। आरमान जवाब देता,इनाया,लोग कहते हैं मोहब्बत वक्त से हार जाती है,लेकिन हमारी मोहब्बत साबित करती है कि सच्चा इश्क़ वक्त के साथ और गहरा हो जाता है। ये झील, ये वादियाँ,ये पत्ते सब हमारे किस्से के गवाह रहेंगे। उनकी आँखों में आँसू थे,मगर चेहरों पर सुकून की तस्वीर। और उनकी ये कहानी किसी किनारे पर जाकर खत्म नहीं हुई, बल्कि एक जिंदा मिसाल बन गई,वादियों की उन ठंडी हवाओं में घुली हुई मोहब्बत की मिसाल, जो आने वाली नस्लों की दुआओं का हिस्सा बनकर हमेशा जिंदा रहेगी।

भोजन और बैठक से क्या हासिल हुआ?

विपक्षी गठबंधन इंडिया' के नेताओं की राहुल गांधी के नए सरकारी आवास पर बैठक हुई और सबने जरूरी राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा के बाद एक साथ भोजन भी किया। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया' ब्लॉक के नेताओं को भोजन कराया। लेकिन इस भोजन और बैठक से क्या हासिल हुआ? क्या कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने इस गठबंधन के अस्तित्व को लेकर जो सवाल उठाए थे उनका जवाब मिल गया?क्या यह स्थापित हो गया कि विपक्षी गठबंधन उसी स्वरूप में बना हुआ है, जिस स्वरूप में यह अपने गठन के समय था और आज भी इसका उद्देश्य वही है, जो 2023 के जून महीने में पटना के एक, अणे मार्ग में तय हुआ था? ये सवाल इसलिए है क्योंकि पिछले छह महीने में कई नेता इंडिया' ब्लॉक के अस्तित्व पर सवाल उठा चुके हैं और कह चुके हैं कि इसका गठन लोकसभा चुनाव 2024 के लिए किया गया था। यानी लोकसभा चुनाव 2024 खत्म तो इसका अस्तित्व भी खत्म! संसद सत्र में जो एकजुटता दिख रही है वह भी सिर्फ मानसून सत्र के लिए है और उसे दीर्घकालिक एकजुटता नहीं समझना चाहिए।वास्तविकता यह है कि विपक्षी गठबंधन यानी इंडिया' ब्लॉक का अब वैसे ही अस्तित्व नहीं है, जैसे यूपीए का नहीं रहा।

ध्यान रहे 2004 के लोकसभा चुनाव के बाद यूपीए का गठन हुआ था। मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री बने थे और सोनिया गांधी यूपीए की चेयरपर्सन बनी थीं। यह गठबंधन 2014 के लोकसभा चुनाव तक बना रहा। लेकिन 2014 का चुनाव हारने के बाद यह समाप्त हो गया। सोचें, कितनी हैरानी की बात है कि 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय बना एनडीए आज तक चल रहा है। कई बार चुनाव हारने के बाद भी एनडीए बना रहा लेकिन एक बार चुनाव हारते ही यूपीए समाप्त हो गया। वैसे ही 2024 के चुनाव से पहले इंडिया' का गठन हुआ और चुनाव नतीजों के बाद धीरे धीरे इसका अस्तित्व समाप्त हो गया। अभी निकट भविष्य में इसके रिवाइवल की संभावना नहीं दिख रही है। फिर कभी विपक्षी गठबंधन फिर बना तो हो सकता है कि उसका नाम कुछ और हो।वैसे भी राज्यों में इंडिया' ब्लॉक नाम से कोई गठबंधन नहीं है। महाराष्ट्र में भाजपा विरोधी गठबंधन को महाविकास अघाड़ी' कहते हैं, जिसका नेतृत्व किस पार्टी के हाथ में है यह किसी को पता नहीं है। बिहार में इसे महागठबंधन' कहते हैं, जिसका नेतृत्व राजद के हाथ में है। बिहार के पड़ोसी झारखंड में भी इसे महागठबंधन' कहते हैं, जिसका नेतृत्व झारखंड मुक्ति मोर्चा के हाथ में है। तमिलनाडु में इसका नाम सेकुलर प्रोग्रेसिव एलायंस' है, जिसकी कमान एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके संभालती है।

-अजीत द्विवेदी-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

30 फीट ऊंचाई पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता विजेता टीम को मिला 21 हजार का इनाम

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सरगुजा राजपरिवार द्वारा रघुनाथ पैलेस परिसर में मटकी फोड़ प्रतियोगिता का रंगारंग आयोजन हुआ। आमजन की भारी भीड़ के बीच महिलाओं और बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताओं के बीच मटकी फोड़ का कार्यक्रम हुआ जिसे पत्थलगांव से आई मटकी फोड़ टीम ने जीता। सरगुजा पैलेस परिसर में स्थित राधावल्लभ मंदिर कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शहर की आस्था का मुख्य केंद्र रहा है। सरगुजा राजपरिवार इस मंदिर की व्यवस्थाओं की देखभाल करता है। विगत वर्ष राजपरिवार के टीएस सिंहदेव ने इस परंपरा को विस्तार देने की जवाबदेही राजपरिवार के आदित्येश्वर शरण सिंहदेव को सौंपा। 2024 के जन्माष्टमी पर उन्होंने राधावल्लभ मंदिर मटकी फोड़ सीमित का गठन कर शहर के प्रथम व्यवस्थित मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया। पूर्व वर्ष में हुए आयोजन को विस्तार देते हुए पुनः इस वर्ष राधावल्लभ मंदिर मटकी फोड़ सीमित ने शानदार आयोजन किया। शाम 7.30 बजे से प्रारंभ होकर रात 11 बजे तक चले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति पैलेस परिसर में रही। कार्यक्रम का प्रारंभ राधा वल्लभ मटकी फोड़ समिति के प्रमुख भार्गवेंद्र सिंह एवं बालकृष्ण पाठक द्वारा प्रभु कृष्ण की पूजा से हुआ। इसके उपरांत महिलाओं के लिए बॉल पिक एंड रन और कुर्सी दौड़ जैसी प्रतियोगिता हुई। बच्चों के लिए जलेबी दौड़,फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता हुई। छोटे बच्चों के लिए मटकी फोड़ प्रतियोगिता के उपरांत मटकी फोड़ की मुख्य प्रतियोगिता हुई। इसे जीतने के लिए हाइड्रा पर 30 फिट की ऊंचाई पर लटके मटकी को फोडना था। इसके लिए 10 टीमें मैदान में थी।

अंत मे जीत का सेहरा पत्थलगांव से आई मटकी फोड़ टीम के सर पर सजा। उसे मटकी फोड़ प्रतियोगिता का पुरस्कार 21 हजार का चेक देकर सम्मानित किया गया। इस पूरे आयोजन के दौरान शहर की प्रख्यात भजन गायिकी बबीता विश्वास ने अपने भजन से शमा बांध दिया। इस शानदार आयोजन के लिए टीएस सिंहदेव और आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने श्री राधावल्लभ मटकी फोड़ समिति को बधाई दिया है। आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने कहा है कि कार्यक्रम के प्रति नगरवासियों के उत्साह के सामने पैलेस परिसर के सामने का हिस्सा छोटा पड़ रहा है। आगामी वर्षों में आयोजन को पैलेस परिसर में ही श्री राधावल्लभ मंदिर के बगल में बड़े मैदान में स्थानांतरित किया जायेगा, जिससे आयोजन में शामिल होने वाले नगरवासियों को असुविधा न हो। विगत वर्ष से ही श्री राधावल्लभ मटकी फोड़ समिति में सक्रिय रहे पार्षद शुभम जायसवाल ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। इस दौरान समिति के सदस्यजीवन यादव, चंद्र प्रकाश सिंह, अमित सिंह, अनिकेत गुप्ता, राहुल सोनी, तरन सिंह, अंशु गुप्ता, अमित तिवारी ,रोशन कानोजिया ,अतुल तांमरेकर ,दिनेश शर्मा, आशुतोष मिश्रा, मनीष साहू, स्वर्णिम शुक्ला, अनुग्रह बघेल आर्यमान, मिथुन सिंह, रवि सिंह, सुशील कसेरा, ऋषिकेश मिश्रा आशु यश,विराट सोनी,निखिल सिंह,अंकुर सोनी ने बतौर वालेंटियर आयोजन में सहयोग दिया। इस दौरान शफी अहमद, द्वितेन्द्र मिश्रा,राकेश गुप्ता, हेमंत सिन्हा, मो इस्लाम, रामविनय सिंह, दुर्गेश गुप्ता,शैलेंद्र सिंह, गुरुप्रीत सिद्धू,सतीश बारी, अविनाश कुमार, वीरेन्द्र सिन्हा, आदि भी उपस्थित रहे।

लुण्ड्रा से बतौली पहुंचे दंतैल हाथी ने मचाया उत्पात,एक की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

बतौली ब्लॉक के टीरंग में दंतैल हाथी ने एक ग्रामीण को कुचलकर मार डाला। ग्रामीण रात को घर के बाहर निकला था पर अंधेरे के कारण हाथी का पता नहीं चल पाया। हाथी ने उसे कुचल दिया। जानकारी के अनुसार बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत टीरंग निवासी 60 वर्षीय डेचका राम शनिवार की रात करीब 11 बजे घर के बाहर निकला था। अंधेरा होने के कारण उसे दिखाई नहीं दिया और घर से कुछ दूरी पर पहले से मौजूद हाथी के समीप चला गया। इस दौरान हाथी ने उसे कुचल दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर वन विभाग की टीम व पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। वन विभाग द्वारा मृतक के परिजन को तात्कालिक साहायता राशि दिया गया। इसके अलावा मुआवजा राशि के लिए प्रकरण तैयार किया जा रहा है। दंतैल हाथी लुण्ड्रा की ओर से बतौली के टीरंग में प्रवेश किया था। हाथी ने पहले फसल को रौंदा। ग्रामीण की जान लेने के बाद लोगों ने हाथी को जशपुर की ओर खदेड़ दिया। हाथी देर रात जशपुर की ओर चला गया है। हाथी को खदेडने के लिए लोग पूरी रात जागते रहे। वहीं उक्त हाथी ने एक दिन पहले बतौली क्षेत्र के मानपुर में जयनाथ नगेशिया के मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया था।

जुआ खेलते 7 पकड़ाए, 24 हजार रुपए जब्त

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

उदयपुर पुलिस ने जुआ खेलते 7 लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने जुआ फड़ से कुल 24 हजार 50 रुपए जब्त किया है। 16 अगस्त को उदयपुर पुलिस पेट्रोलिंग पर निकली थी। इस दौरान मुखबिर से जानकारी मिली की ग्राम कलचा में सार्वजनिक स्थान पर बैठकर कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। पुलिस ने 7 जुआरियों को पकड़ा है। जुआरियों में सोमारु पैकरा निवासी पार्वतीपुर थाना जयनगर जिला सूरजपुर, जावेद कच्छी निवासी बैकुंठपुर जिला कोरिया, राजेश कुमार निवासी सतपता थाना बिश्रामपुर जिला सूरजपुर, तीरथ राजवाड़े निवासी सपकरा थाना सूरजपुर, संजय कुमार नाविक निवासी दवनकरा चंदौरा जिला सूरजपुर, विनय यादव निवासी तोनी थाना पस्ता जिला बलरामपुर व कमलेश कुमार निवासी सिरमिना थाना पसान जिला कोरबा शामिल है। पुलिस ने इनके खिलाफ धारा छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई की है।

कैट सरगुजा की बैठक में व्यापारियों के हित में लिए गए अहम फैसले

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) सरगुजा की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आज उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में व्यापार से जुड़े अनेक ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर चर्चा की गई तथा व्यापारियों के हित में कई ठोस निर्णय लिए गए। बैठक का मुख्य विषय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिवाली पूर्व जीएसटी में संशोधन की संभावित घोषणा रहा। इस पर विचार करते हुए तय किया गया कि सरगुजा के व्यापारी भी अपने सुझाव एक सप्ताह के भीतर अध्यक्ष को देंगे,जिन्हें कैट दिल्ली के माध्यम से वित्त मंत्री तक पहुंचाया जाएगा, ताकि जीएसटी को सरल व पारदर्शी बनाया जा सके। साथ ही निर्णय लिया गया कि व्यापारियों के लिए नए जीएसटी नंबर जारी करने हेतु शीघ्र ही विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा बाजार में 5, 10 और 20 रुपये के सिक्कों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु बैंकों की मदद से विशेष शिविर लगाने का भी प्रस्ताव पारित हुआ। त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए बाजारों में पार्किंग व्यवस्था को सुगम बनाने और उपभोक्ताओं को निर्बाध खरीदारी की सुविधा देने पर भी जोर दिया गया। संगठन विस्तार की दिशा में काम करते हुए अगले तीन महीनों में सदस्य संख्या दोगुनी करने का संकल्प लिया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र तिवारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कैट सदैव व्यापारी हितों की रक्षा में अग्रणी रहा है। बैठक में प्रदेश मंत्री अमीत अग्रवाल, अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, महामंत्री अभिषेक सिंह सहित कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

हार्डवेयर दुकान के काउंटर से 2 लाख 48 हजार रुपए की चोरी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

लखनपुर में शनिवार की शाम को हार्डवेयर दुकान के काउंटर में रखे 2 लाख 48 हजार रुपए अज्ञात चोर ने पार कर दी है। दुकान संचालक ने मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार उद्यांशु अग्रवाल लखनपुर का रहने वाला है। घर के ग्राउंड फ्लोर पर हार्डवेयर का दुकान है। शनिवार की शाम दुकान का शटर गिराकर बाजार की ओर गया था। इस दौरान दूसरे मंजिल से उद्यांशु की मां नीचे दुकान में झांककर देखी तो एक अज्ञात व्यक्ति काउंटर के सीट पर बैठा है। वह तत्काल नीचे उतारी तब तक अज्ञात व्यक्ति वहां से भाग गया। मां ने मामले की जानकारी बेटे को दी। वह दुकान पहुंचा तो काउंटर में रखे 2 लाख 48 हजार 5 सौ रुपए नहीं थी। उद्यांशु ने मामले की रिपोर्ट लखनपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही है।

175 नग नशीले इंजेक्शन के साथ आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

आबकारी विभाग के संभागीय उडनदस्ता टीम ने लखनपुर के जमगला में छापेमारी कर 175 नग नशीले इंजेक्शन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को 16 अगस्त की रात को मुखबिर से जानकारी मिली की लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमगला निवासी प्रीतम रवि अपने घर में भारी मात्रा में नशीले इजंक्शन रखकर बिक्री कर रहा है। मुखबिर की सूचना न सहायक जिला आबकारी अधिकारी ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर छापेमारी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान टीम ने प्रीतम के घर से 94 नग रेक्सोजेसिक व 81 नग एवील इंजेक्शन पाया गया। जिसे टीम ने जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी के खिलाफ धारा 22 सी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई के दौरान आबकारी उप निरीक्षक आकाश साहू, आरक्षक रमेश दुबे, अशोक सोनी नगर सैनिक रणविजय सिंह एवं महिला सैनिक राजकुमारी सिंह शामिल रहे।

तालाब में नहाने गए 62 वर्षीय वृद्ध की डूबने से हुई मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गोरता धर्मशाला तालाब में नहाने के दौरान पानी में डूबने से 62 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई है। लखनपुर पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द करते हुए मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच में जुटी है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक लखन राम राजवाडे पिता रमजान राजवाड़े उम्र 62 वर्ष ग्राम गोरता इमली पारा निवासी 17 अगस्त दिन रविवार की दोपहर लगभग 1 बजे गांव के ही धर्मशाला तालाब में नहाने गया हुआ था नहाने के दौरान वह पानी में डूब गया जिससे उसकी मौत हो गई सूचना उपरांत लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई कर शाम लगभग 4:00 बजे शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया है।

स्वर्गीय अटलजी की पुण्यतिथि पर अटल परिसर में हुआ वृक्षारोपण

एक पेड़ लगाकर अटलजी के बताये मार्ग पर चलने का हम संकल्प लेते हैं : मंजूषा भगत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

आज भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर अंबिकापुर स्वच्छता चेतना पार्क स्थित नवनिर्मित अटल परिसर में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत के नेतृत्व में ÷एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। लूँड्रा विधायक प्रबोध मिंज,भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टीन्नी, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरपाल सिंह भामरा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केशरी, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष राजकुमार बंसल तथा भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद हर्ष के आतिथ्य में आम, अमरूद, नीम, बरगद, कटहल, सहित फलदार व छायादार पेड़ अतिथियों व गणमान्य जनों द्वारा लगाए गए। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उनके जैसा महान व्यक्तित्व विरले पैदा होते हैं, उनका पूरा जीवन केवल राष्ट्र के लिए समर्पित रहा है। आज अटलजी की याद में एक पेड़ लगाकर उनके बताये मार्ग पर चलने का हम संकल्प लेते हैं। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने अटलजी को युगपुरुष निरूपित करते हुए उन्हें भारत देश का लोकप्रिय व सफल राजनेता बताया जिनका विपक्षी भी सम्मान करते थे। इस अवसर पर लूँड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल को एतिहासिक बताया तथा उनके कार्यकाल में लागू हुये प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, अटल पेंशन योजना, स्वर्ण चतुर्भुज योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाला बताया। इस अवसर पर पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, श्रीमती किरण मिश्रा, संतोष दास, जन्मेजय मिश्रा, अनिल जयसवाल, मधु चौदाहा, इंदर भगत, मनोज कंसारी, रविंद्र गुप्त भारती, निश्चल प्रताप सिंह, रमेश जयसवाल, अनिल तिवारी, श्रीमती ममता तिवारी, शशिकांत जयसवाल, श्रीमती प्रियंका गुप्ता, अनीता रविंद्र भारती,शकुंतला पांडे, देवकी त्रिपाठी, विकास गुप्ता, चंदन शुक्ला, रवि सिंह, नीलम राजवाड़े तथा प्रियंका चौबे सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मानसिक रूप से अस्थिर महिला का साहसिक बचाव,युवक की सूझबूझ को प्रशासन ने सराहा

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जुलाई 2025
(घटती-घटना)।

शहर के नए बस स्टैंड के पास रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मानसिक रूप से कमजोर महिला पेड़ पर चढ़ गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर निगम, एसडीआरएफ और 112 की टीम मौके पर पहुंची। करीब ढाई घंटे की कठिन मशक्कत और साहसिक प्रयासों के बाद महिला को सुरक्षित नीचे उतारा गया। इस बचाव अभियान में स्थानीय युवक संजय कुमार की सूझबूझ और साहस ने सभी का ध्यान खींचा।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत नगर निगम को सूचित किया। पेड़ पर चढ़ी महिला की अस्थिर मानसिक स्थिति ने बचाव कार्य को चुनौतीपूर्ण बना दिया था। महिला के कूदने का खतरा बना हुआ था, जिसके चलते बचाव दल को बेहद सावधानी बरतनी पड़ी। नगर निगम की टीम ने एसडीआरएफ और 112 की मदद से रणनीति बनाई और स्थानीय युवक संजय कुमार ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संजय ने बताया, यह काम आसान नहीं था। महिला की मानसिक स्थिति के कारण वह बार-बार अस्थिर व्यवहार कर रही थी। उसके कूदने का डर बना हुआ था, लेकिन प्रशासन के सहयोग और सावधानीपूर्वक प्रयासों से हमने उसके हाथ-पैर बांधकर उसे सुरक्षित नीचे उतारा। इस साहसिक कार्य के लिए प्रशासन ने संजय की प्रशंसा करते हुए उन्हें 1000 रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया।बचाव के बाद महिला को तुरंत एम्बुलेंस के जरिए अम्बिकापुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां उसका इलाज शुरू किया गया है। इस घटना ने न केवल प्रशासन की त्वरित कार्रवाई को रेखांकित किया, बल्कि संजय जैसे आम नागरिक के साहस और सामुदायिक भावना को भी सामने लाया। स्थानीय लोगों ने इस सफल बचाव अभियान की सराहना करते हुए प्रशासन और संजय को धन्यवाद दिया।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ,जुझारू,महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	10,000 से 15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000

नोटः- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता :- कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना
शनि मंदिर के पास,नमनाकला,अम्बिकापुर
छत्तीसगढ़, मो0नं0 - 98265-32611

न्यूयॉर्क के होटल में गोलीबारी
3 की मौत, 8 घायल

वॉशिंगटन डीसी,17 जुलाई 2025। अमेरिका के न्यूयॉर्क में रविवार को कई बंदूकधारियों ने ब्रुकलिन के एक होटल में लोगों पर गोलीबारी कर दी, जिसमें 3 लोग मारे गए और 8 घायल हो गए। ब्रुकलिन पुलिस कमिश्नर के मुताबिक,आपसी विवाद के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया। मरने वाले तीनों पुरुष हैं। घायलों को फौरन पास के अस्पतालों में एडमिट किया गया,जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। घटनास्थल से 36 कारतूस और एक बंदूक बरामद हुई है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से सबूत जुटा रही है। जिस होटल में गोलीबारी की गई उसका नाम टेस्ट ऑफ द सिटी लाउंज है, इसे 2022 में खोला गया था और यह अमेरिकी और कैरेबियन व्यंजनों, हुक्का, बार और डीजे म्यूजिक के लिए फेमस है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में रेस्टोरेंट के अंदर खून के धब्बे और टूटे शीशे बिखरे नजर आ रहे हैं। न्यूयॉर्क में इस साल जनवरी से जुलाई तक गोलीबारी की कुल 412 घटनाएं दर्ज की गई हैं,जो बीते सालों के मुकाबले सबसे कम है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,न्यूयॉर्क में 2021 में गोलीबारी की 1562 घटनाएं, 2022 में 1261 घटनाएं, 2023 में 974 घटनाएं और 2024 में 903 घटनाएं दर्ज की गई।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच बने स्वैच्छिक गठबंधन में ब्रिटिश पीएम शामिल

ट्रंप-पुतिन की वार्ता के बाद बैठक

लंदन,17 जुलाई 2025। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने रविवार को यूरोपीय नेताओं के साथ वीडियो बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक यूक्रेन युद्ध को लेकर हुई, जिसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज भी शामिल हुए। यह चर्चा यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की अगले हफ्ते व्हाइट हाउस यात्रा से पहले हुई।

ट्रंप-पुतिन मुलाकात के बाद वार्ता : ये बैठक ऐसे समय हुई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को अलास्का में शांति वार्ता की थी। हालांकि इसमें कोई युद्धविराम समझौता नहीं हुआ।

स्टार्मर ने ट्रंप की कोशिशों की सराहना की : पीएम स्टार्मर ने कहा कि ट्रंप की पहल से शांति की उम्मीद और मजबूत हुई है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति जेलेंस्की के बिना शांति की राह तय नहीं हो सकती। आगे का कदम उनके शामिल होने वाली वार्ता ही होगी।

यूरोप-अमेरिका देंगे सुरक्षा गारंटी

इस दौरान ब्रिटिश पीएम ने कहा कि अमेरिका और यूरोप, किसी भी समझौते में यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी देने को तैयार हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हमला नहीं रोकते, तब तक रूस पर और कड़े प्रतिबंध जारी रहेंगे।

संयुक्त बयान में रूस को साफ संदेश

वहीं इस बैठक में इमैनुएल मैक्रों, फ्रेडरिक मर्ज और अन्य यूरोपीय नेताओं के साथ जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि- रूस को यूक्रेन के नाटो या यूरोपीय संघ में शामिल होने पर वीटो का अधिकार नहीं होगा। यूक्रेन अपनी भूमि और सुरक्षा से जुड़े फैसले खुद करेगा। अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बलपूर्वक बदला नहीं जा सकता।

ट्रम्प ने वॉशिंगटन डीसी में नेशनल गार्ड की तैनाती बढ़ाई,तीन राज्यों से 700 सैनिक बुलाए

वॉशिंगटन डीसी,17 जुलाई 2025। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प राजधानी वॉशिंगटन डीसी में और ज्यादा गार्ड तैनात करने की तैयारी कर रहे हैं। उनके आदेश पर वेस्ट वर्जीनिया, साउथ कैरोलिना और ओहियो के गवर्नरों ने अपने राज्यों के नेशनल गार्ड्स को वॉशिंगटन भेजने की घोषणा की है। वेस्ट वर्जीनिया से 300-400, साउथ कैरोलिना से 200 और ओहियो से करीब 150 नेशनल गार्ड आएंगे। अभी वॉशिंगटन में 800 नेशनल गार्ड्स तैनात हैं। इन्हें सीधा ट्रम्प कंट्रोल करते हैं। इन तीन राज्यों से लगभग 700 एक्स्ट्रा सैनिकों के आने से वॉशिंगटन में नेशनल गार्ड की संख्या लगभग दोगुनी हो जाएगी। हालांकि नेशनल गार्ड्स की तैनाती को लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इससे पहले 12 अगस्त को ट्रम्प ने वॉशिंगटन को केंद्र सरकार के कंट्रोल में ले लिया था। उन्होंने कहा कि राजधानी में हालात काबू से बाहर हैं, राजधानी में बिगड़ी कानून व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना जरूरी है। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि उन्होंने राजधानी में डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया होम रूल एक्ट की धारा 740 लागू कर दी है। इसका मतलब है कि डीसी मेट्रोपॉलिटन पुलिस अब सीधे केंद्र सरकार के नियंत्रण में काम करेगी। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में कहा, हमारी राजधानी को हिंसक गिरोहों और अपराधियों ने घेर लिया है। 2024 में हिंसक अपराध 30 साल के निचले स्तर पर पहुंचे। हम नेशनल गार्ड की मदद से कानून और व्यवस्था बहाल करेंगे। इस साल वॉशिंगटन डीसी में 98 लोगों का कत्ल हो चुका है और नस्लीय झगड़ों के कारण 3782 लोग बेघर हुए हैं। अमेरिका में ट्रम्प के इस कदम की आलोचना हो रही है। वॉशिंगटन की मेयर म्यूरियल बोउजर ने कहा- शहर में क्राइम नहीं बढ़ा है। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, 2024 में हिंसक अपराध 35% कम हुआ और 2025 के पहले सात महीनों में 26% की कमी आई। कुल अपराध भी 7% घटा है।

सरगुजा पुलिस एवं रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान मे हेल्थ टॉक एवं निशुल्क परामर्श शिविर का हुआ आयोजन

- रक्षित केंद्र स्थित सभाकक्ष मे न्यूरौलॉजी विशेषज्ञ द्वारा पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियों एवं उनके परिवारों से स्वस्थ्य जीवन के सम्बन्ध मे दी गई विशेष जानकारी...
- कार्यक्रम के दौरान विभिन्न समाजसेवी संगठन भी रहे उपस्थित,लगभग 100 से अधिक पुलिस अधिकारी/कर्मचारी एवं परिवार के सदस्य हुए लाभान्वित...
- पुलिस की कार्यशैली कों देखते हेतु कमर, गर्दन, पैर एवं मस्तिष्क सम्बन्धी रोगों, उनके उपचार एवं घरेलु निदान के सम्बन्ध मे की गई चर्चा....
- हेल्थ टॉक के पश्चात न्यूरौलॉजी विशेषज्ञ द्वारा पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियों कों प्रदान किया गया निशुल्क परामर्श...

-संवाददाता-
अंबिकापुर,17 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियों उनके परिवारों की स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों कों दृस्टिगत रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा हेल्थ टॉक एवं निशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था, इसी क्रम मे आज दिनांक कों सरगुजा पुलिस एवं रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल रायपुर के संयुक्त तत्वाधान मे रक्षित केंद्र अम्बिकापुर मे एक दिवसीय हेल्थ टॉक एवं निशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों ने अपने उदबोधन में कहा कि सरगुजा पुलिस द्वारा पुलिस वेलफेयर

अंतर्गत एक दिवसीय हेल्थ टॉक एवं निशुल्क परामर्श शिविर का आयोजन किया गया है, इस कार्यक्रम का अधिक से अधिक संख्या मे पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी लाभ उठाये एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी भी परेशानी का विशेषज्ञ डॉ से उचित परामर्श प्राप्त कर आम दिनचर्या मे पालन करें। कार्यक्रम के दौरान रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के न्यूरौलॉजी विशेषज्ञ डॉ. राहुल पाठक ने पुलिस की कार्यशैली कों देखते हेतु कमर, गर्दन, पैर एवं मस्तिष्क सम्बन्धी रोगों, उनके उपचार एवं घरेलु निदान के सम्बन्ध मे चर्चा की गई, हेल्थ टॉक के पश्चात न्यूरौलॉजी विशेषज्ञ द्वारा पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियों कों निशुल्क परामर्श प्रदान किया गया, कार्यक्रम के दौरान विभिन्न समाजसेवी संगठन भी उपस्थित रहे लगभग 100 से अधिक पुलिस अधिकारी/कर्मचारी एवं परिवार इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए है। कार्यक्रम के दौरान उप निरीक्षक अश्वनी दीवान,सहायक उप निरीक्षक मनोज सिंह,सहित विभिन्न सामाजिक संगठन नवाबिहान एवं काफी संख्या मे पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोरिया में अद्भुत नजारों के कई पयर्टन स्थल जो बना सकते है प्रदेश में अलग पहचान

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में है 11 अद्भुत स्थान लेकिन पहचान के बने मोहताजकई प्राकृतिक स्थलों के संरक्षण एवं विकास की आवश्यकता

अद्भुत स्थान जो पर्यटन स्थल में किया जा सकता है तब्दील

सोकड़ा माड़ा हिलटॉपः- इस हिलटाप से सघन वन, घाटी एवं पहाड़ का आनंद लिया जा सकता है।

गंगा रानी माता की गुफाः- यह रॉक कट गुफा है जहां गंगा रानी माता विराजमान है। गुफा के पास बहुत बड़ा तालाब है जिसमें सालों भर पानी रहता है। यहां रामनवमी के अवसर पर मेला लगता है।

आनंदपुरः- आनंदपुर अपने नाम के अनुरूप सघन नदियों से घिरा रमणीक स्थल है। यह चारों ओर से ऊंचे-ऊंचे जलप्रपात एवं झरनों से घिरा मनोहारी स्थल है।

बीजापुरः- यह कल कल कर बहता हुआ सदाबहारी पहाड़ी नदी है। यहां बैठकर सघन वन, एंव पक्षियों की कलरव एवं उनकी जलकीड़ा का आनंद लिया जा सकता है।

सिद्धबाबा की गुफाः- सर्प देवता स्वरूप में सिद्ध बाबा का निवास स्थल है यहां रामनवमी के दिन मेला लगता है। यहां लोग मन्नत भी मांगते हैं।

च्यूल जलप्रपातः- यह च्यूल से लगभग 5 कि.मी. की दूरी पर सघन वन से घिरा लगभग 60 फीट की ऊंचाई से गिरता सदाबहार जल प्रपात है। नीचे जल कुंड है जिसमें जलक्रिडा का आनंद लिया जा सकता है।

खोहरा पाटः- यह च्यूल से लगभग 20 कि.मी. है यह स्थान पाइंट हैलटाप पर है जहां खोहरा ग्राम बसा है। यहां से सघन वन, एवं घाटी का विहगंम दृश्य देखते ही बनता है।

छतौड़ा की गुफाः- यह एक रॉक कट छोटी गुफा है जिसमें ग्राम देवता की मूर्तियां हैं।

नेउर नदीः- खोहरा पाट से नीचे उतरने पर सदाबहार कल-कल बहती नेउर नदी का चौड़ा पाट का नजारा देखते बनता है नदी का जल गहरा है रोमांचक स्थल है होने के साथ साथ छत्तीसगढ और मध्यप्रदेश को जोड़ती भी है।

-राजन पाण्डेय-
कोरिया,17 अगस्त 2025 (घटती-घटना)।
अविभाजित कोरिया जिले में बहुत से प्राकृतिक स्थल ऐसे थे जो पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हुए कुछ अभी किये भी जा रहे हैं लेकिन जिला विभाजन के बाद कोरिया के अधिकांश पर्यटन स्थल अब मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी और भरतपुर जिले का हिस्सा बन गए लेकिन बावजूद इसके कोरिया जिले में अभी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने लायक कई प्राकृतिक स्थल है जिन्हें अच्छे से विकसित किया जाए तो ये प्रदेश स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाने में सफल हो सकते है। बस जरूरत है इन्हें संरक्षण और विकास की। जी हां हम कोरिया जिले के ऐसे प्राकृतिक स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें यदि विकसित किया जाए तो इससे जिले की पर्यटन क्षेत्र में अलग पहचान गढ़ी जा सकती है।

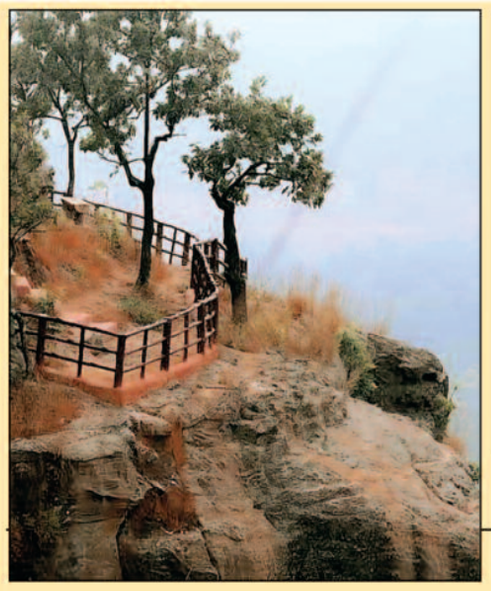

कोरिया की शान बालमगढ़ी

गुरुघासीदास राष्ट्रीय उद्यान में स्थित बालमगढ़ी पर्यटन स्थल जहां की वादियां सबसे अलग है यहां का नजारा देखने प्रतिदिन सैकड़ो लोग पहुचते हैं इस पहाड़ी से 180 डिग्री का नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत श्रृंखला पर खुले आसमान में भारतीय गिद्धों को उड़ते देखा जा सकता है। साथ ही भालू,बंदर, हिरण,नीलगाय,कोटरी सांभर आदि जानवर भी कभी-कभी दिख जाते हैं। इस पहाड़ी के ऊपर से गोपद और हसदो नहीं का उद्गम उस प्राकृतिक मान्यता को प्रमाणित करता है जिसके आधार पर यह माना जाता है कि इस पर्वत श्रृंखला का शीर्ष दो नदी प्रवाह प्रणालियों का निर्माण करता है। ऊपर से उत्तर की ओर बहने वाली गोपद नदी अपने प्रवाह तंत्र में 20 से अधिक नदियों और नालों को मिलाकर गंगा बेसिन का हिस्सा बन जाती है। ऊपर से दक्षिण की ओर बहने वाली हसदो महानदी बेसिन का हिस्सा बन जाती है। इन दोनों का उद्गम यहीं देखा जा सकता है। साथ ही यहां की ढलानों पर शैल चित्र भी देखे जा सकते हैं इस पहाड़ी की चोटी से लगभग 4 किमी पश्चिम में तथा मास्टर टॉवर से 1 किमी दूर स्थित वन विभाग द्वारा निर्मित बसाहवा टॉवर भी एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण है।

नीलकंठ पहाड़ का विहंगम नजारा

विकासखंड सोनहत मुख्यालय से 80 किलोमीटर दूर गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में स्थित नीलकंठ ग्राम जो चारों ओर से पहाड़ियों की बच बसा है यहां की ऊंची ऊंची पहाड़ियां अपने आप में देखने लायक है और उसी पहाड़ की चोटी पर शिवलिंग स्थापित है जिसे नील कंठ के नाम से जाना जाता है। यहां सावन माह में दूर-दूर से श्रद्वालु भगवान शिव की पूजा करने पहुचते है। दुर्गम वन क्षेत्र में स्थित इस प्राकृतिक शिव मुर्ति को लेकर कई तरह की किवदंतियां जुडी हुई है। यही वजह है कि अत्यंत दुर्गम एवं पहुच विहीन होने के बावजूद यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढती जा रही है। इस जगह पर पहुंचना आसान नहीं है क्योकी उक्त स्थान पर पहुचने के लिए भीषण पहाड़ पर चढना पड़ता है जिसके लिए उपयुक्त मार्ग नही है कोरिया रियासत के समय इस जगह खोज की गई थी। यहां एक गुफा में प्राकृतिक रूप से शिविलिंग स्थित हैं। घने जंगल में स्थित गुफा के अंदर घुटनों के बल जाना पड़ता हैं। यहां छत्तीसगढ़ के अलावा मध्यप्रदेश के कई जिलों से श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। मान्यता है कि यहां आने से मनोकमना पूरी होती है। दिवार के जैसा पहाड़ व झरने का संगम नीलकंठ में एक पतले पत्थर की अनोखी पहाड़ी भी है जो देखने में अदभुद एवं आश्चर्यजनक भी है जिसे लोगों को देखने के बाद समझ नही आता की यह दिवार किस आधार पर इतने लंबे अरसों से टिकी हुई है वहीं स्थानीय लोगों के मुताबिक इस दिवार में कभी कभार कंपन भी होता है बावजूद इसके यह दिवार जैसा पहाड़ टिका हुआ है साथ ही लोगों का यह भी कहना है की अब इस पहाड़ की उंचाई काफी कम हो गई है इसके अतिरिक्त इसी पहाड़ के बगल से लगा हुआ झरना जो अत्यंत उंचाई से जमीन पर गिरते हुए लोगों का मन मोह लेता है। सूखी लकड़ी के उपर से निकलता है पानी इस स्थान पर प्रकृति का एक अनोखा दृश्य यह भी देखने को मिलता है की यहां पर एक सूखी लकड़ी से पानी की धारा निरंतर निकलती रहती है जिसके जल स्रोत का आज तक पता नही चल पाया है आस पास के ग्राम जनों का मानना है की यह पानी इस सूखी लकड़ी से प्राचीन काल से निकलता ही आ रहा है जो आज तक बंद नही हुआ है।

हसदो नदी का उद्गम स्थल मेण्ड्रा

हसदेव नदी भारत के छत्तीसगढ़ राज्य में बहने वाली एक नदी है। यह महानदी की एक प्रमुख सहायक नदी है तथा कोरबा के कोयला क्षेत्र में तथा चम्पा मैदान में प्रवाहित होने वाली प्रमुख नदी है। यह नदी कोरिया जिले की कैमूर पहाड़ियों से निकलकर कोरबा,बिलासपुर जिलों में बहती हुई महानदी में मिल जाती है। हसदेव का अधिकांश प्रवाह क्षेत्र ऊबड़-खाबड़ है। इसकी प्रवाह क्षेत्र 7,210 वर्ग किमी है हसदेव नदी, छत्तीसगढ़ राज्य के महानदी की एक प्रमुख सहायक नदी है। इस नदी का उद्गम यह नदी कोरिया जिले के कैमूर की पहाड़ियों से होता है। इस नदी की कुल लंबाई 179 किमी है। राज्य का सबसे ऊँचा बांध मिनीमाता इसी नदी पर कोरबा जिले में स्थित है। इसका उद्गम स्थल गुरु घासीदास राष्ट्रीय के सीमा पर स्थित ग्राम मेण्ड्रा से हुआ है यहां पर डॉ चरणदास महंत ने अपने केंद्रीय मंत्री रहते हुए भव्य शिव मंदिर का निर्माण करवाया था।

राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में 11 अद्भुत स्थान

कोरिया जिले के अलग-अलग इलाकों में प्राकृतिक रूप से कई धार्मिक स्थल स्थापित हैं। उन्ही में से एक है सीतामढ़ी गुफा। राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों के बीच दुर्गम रास्तों से होकर इस धाम तक पहुचा जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए काफी दूर तक घने जंगल में पैदल चलना पड़ता है। श्रद्धालुओं का मनना है कि वे पिछले कई सालों से यहां आ रहे है। यहां आने से सभी मनोकमना पूरी होती है। सीतामढ़ी धाम के आसपास कोई गांव नहीं है। ऐसे बियाबान जंगल में पगडंडी रास्तों से होकर कठिनाई से पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं को यहां सुखद अनुभूति होती है। ऐसा कहा जाता है की वनवास के दौरान प्रभु श्री राम ने कुछ देर इस स्थान पर माता सीता के साथ विश्राम किया था उक्त स्थान पर कई पद चिन्ह भी मौजूद है। सीतामढी के बाद राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में आमापानी दर्शनीय स्थल भी बेहद अदभुद है यहां पर गोपद नदी का उदगम आम के जड़ से हुआ है इसी लिए इसे आमा पानी कहा जाता है।

जोगी मठ को संरक्षण की दरकार

विकासखंड सोनहत में दर्जनों की संख्या में ऐसे पुरातात्विक स्थल है जो की 6वीं शताब्दी के है जो प्राचीन शताब्दी इतिहास के बारे में अपनी पहचान बनाए रखे है परन्तु प्रशासन की उदासीनता के कारण अब ये पुरातात्विक स्थल गुमनामी के दौर से गुजर रहे है। इनकी पहचान प्रदेश स्तरीय तो दूर महज जिला स्तरीय भी नहीं हो पायी है। विकाश खण्ड सोनहत अंर्तगत ग्राम कैलाशपुर घुघरा जंगल के मध्य स्थित जोगी मठ देव स्थल पुरे सरगुजा संभाग का सबसे पुराना देव स्थल एवं पुरातात्विक स्थल है इतिहासकारो की माने तो यह छठवी शाताब्दी से भी पुराना है आज भी काभी कभार बहुत दूर दराज से इस स्थान में लोग महावीर स्वामी के दर्शन के लिये आते है परन्तु सुविधाओं के अभाव में लोगों को बहुत परेशानीयों का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है की जोगी मठ पुरातत्विक स्थल तक पहुचने के लिए पहुच मार्ग नहीं होने के कारण,वाहन चालकों के दुर्घटना डर बना रहता है। इसी क्रम में विकासखण्ड सोनहत का दुसरा और छठवी शताब्दी का पुरातात्विक स्थल गांगीरानी देव स्थल भी उपेक्षा का शिकार हो रहा है, गांगीरानी देव स्थल गुरूघासीदास राष्ट्रीय उद्यान अन्तर्गत ग्राम रामगढ़ नटवाही में स्थित है। जहां भव्य रूप से पत्थरों की चट्टानों को काट कर देव स्थल बनाया गया है । यह मन्दिर इतना अद्भुत है की देखने मात्र से सैलानियों का दिल खुश हो जाता है। परन्तु मूल भूत सुविधाओं के अभाव में यह भी अपना पहचान खोता जा रहा है।

घुंघटा बांध और ट्री हाउस प्रोजेक्ट

कोरिया जिला मुख्यालय से 30 किमी और सोनहत ब्लॉक मुख्यालय से 8 किमी दूर परिहत गांव का घुनघुट्टा डैम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां पर्यटकों की सुविधा के लिए तीन ट्री-हाउस और एक सर्वसुविधायुक्त रेस्टोरेंट तैयार किया गया है। जल्द ही इन्हें पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। डैम के किनारे प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। मिली जानकारी अनुसार पूर्वर्ती सरकार में इस कार्य का शिलान्यास विधानसभा अध्यक्ष डा चरणदास महंत व तत्कालीन विधायक गुलाब कमरो ने किया था मिली जानकारी के अनुसार इस परियोजना के लिए 1 करोड़ से अधिक खर्च किया गया है। इसके संचालन को लेकर तैयारी की जा रही है।प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि इससे हर साल लाखों रुपए की आमदनी होने के साथ ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा। वहीं ट्री-हाउस के साथ कार्यालय, गार्डन एवं अन्य सुविधाएं भी तैयार की गई हैं। पर्यटक यहां रात में ठहर भी सकेंगे। यह दिखने मे बेहद आकर्षक और सुंदर है।

गौरघाट जलप्रपात का अद्भुत सौंदर्य

हसदेव नदी पर स्थित यह जलप्रपात जिसे गौरघाट जलप्रपात के नाम से जाना जाता है जो कोरिया के जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर की दूरी पर सोनहत विकासखण्ड के ग्राम बसेर में स्थित है है। गौर घाट के झरना स्थल पर 2 रास्तों से पहुंचा जा सकता है। जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर से नगर ग्राम होकर बसेर पहुंचकर इस स्थल पर पहुंचा जा सकता है। एवं सोनहत मुख्य मार्ग के कटगोडी ग्राम से पश्चिम दिशा की ओर दामुज बसेर होकर जाया जा सकता है। यहां हसदो नदी पर बनने वाले पहले जल प्रपात को गौरघाट जलप्रपात कहा जाता है। प्रपात के गिरने के स्थल के पहले एवं प्रवाह की ओर अकॅत प्राकृतिक सौंदर्यता प्रकृत ने स्थापित कर रखी है जो पर्यटकों को बारम्बार यहां आने हेतु आमंत्रित करती है। परंतु झरने के गिरने के स्थल पर निर्मित जलकुण्ड के प्रति सावधानी रखने की जरूरत होती है

CMYK

जनकपुर से आए बेचू लाल शासकीय महाविद्यालय संचालन में सहयोग कर रहे हैं या फिर प्रभारी प्राचार्य का महाविद्यालय ना आने में सहयोग कर रहे हैं ?

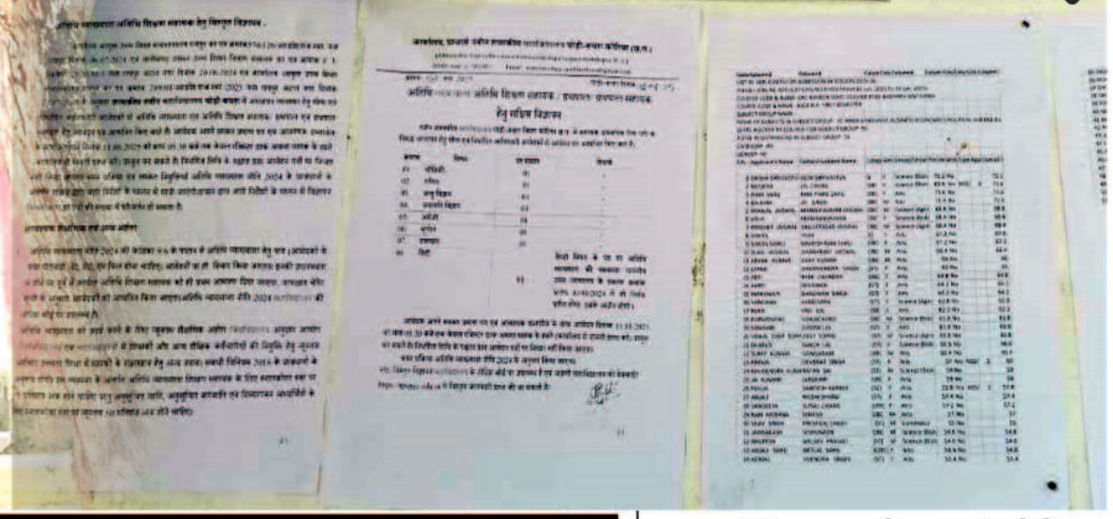

क्या घनश्याम देवांगन के आने के बाद बेचू लाल सोनवानी की वापसी होगी जनकपुर महाविद्यालय के लिए ?

क्या घनश्याम देवांगन इसलिए महाविद्यालय में उपस्थित नहीं हो पा रहे क्योंकि बेचू लाल सोनवानी को वापस जाना पड़ेगा जो प्रभारी प्राचार्य नहीं चाह रही ?

क्या पोड़ी बचरा महाविद्यालय में अतिथि व्याख्याता की नियुक्ति में भी नजर आ सकती है अनियमितता ?, नियुक्ति विज्ञापन की तिथि के अनुसार नहीं हो रही जारी ?

-संवाददाता-
बैकुंठपुर/पोड़ी बचरा,17 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

महाविद्यालय शासन के नियम से नहीं खुले जिले के दो प्रभारी प्राचार्य पति-पत्नी के नियम से चल रहे थे,यही वजह है कि अब तो लोग यह भी कहने लगे हैं कि महाविद्यालय का नियम सेवानिवृत्ति प्रभारी प्राचार्य एसी गुप्ता व उनकी पत्नी के नियमों से चलता है जहां 26 साल एसी गुप्ता ने अपना महत्वपूर्ण समय एक महाविद्यालय को धरातल में लाने के लिए दिया तो वही उनकी पत्नी प्रभारी प्राचार्य होने के बाद भी महाविद्यालय नहीं पहुंचती हैं सारे काम उनके घर से ही संचालित होता हैं,वही जिस महाविद्यालय की वह प्रभारी प्राचार्य हैं ऐसी गुप्ता की पत्नी वहां पर जनकपुर से आए सहायक प्राध्यापक के भरोसे महाविद्यालय चल रहा है,नवीन शासकीय महाविद्यालय पोड़ी बचरा में डॉ0 श्रीमती प्रीति गुप्ता प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्यरत है बताया जाता है कि वह पोड़ी बचरा महाविद्यालय कभी नहीं जाती है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि 15 अगस्त 2025 को जब उनको पोड़ी बचरा महाविद्यालय में ध्वजारोहण करना था वह वहां न जाकर बैकुण्ठपुर महाविद्यालय में मूकदर्शक के रूप में उपस्थित रही। पोड़ी बचरा महाविद्यालय में बेचू लाल सोनवानी,सहायक प्राध्यापक वाणिज्य जो कि जनकपुर महाविद्यालय में पदस्थ है एवं कार्य सहयोग में नवीन शासकीय महाविद्यालय पोड़ी बचरा में कार्य कर रहे है,उनके द्वारा ध्वजारोहण किया गया है। वर्तमान में घनश्याम देवांगन सहायक प्राध्यापक वाणिज्य का स्थानान्तरण पोड़ी बचरा महाविद्यालय में हुआ है, वाणिज्य विषय में 01 पद स्वीकृत है,डॉ. ए.सी. गुप्ता की ऊंची पकड़ एवं पहुंच के कारण घनश्याम देवांगन आज दिनांक तक कार्य पर उपस्थित नहीं हुए है,क्योंकि उनके आने से बेचू लाल

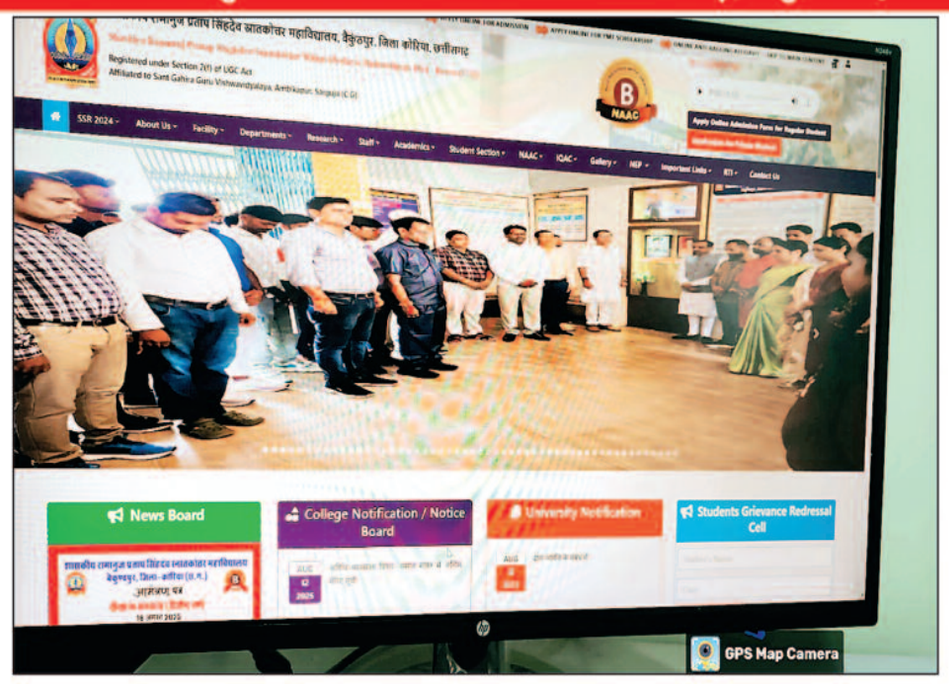

सोनवानी को वापस जाना होगा,उनके जाने से डॉ. ए.सी. गुप्ता के निजी कार्यों को कौन करेगा। सवाल यह उठता है कि क्या सारे नियम आज तक बैकुंठपुर रामानुज प्रताप सिंह देव महाविद्यालय में एसी गुप्ता का चला रहा और अब नवीन महाविद्यालय पोड़ी बचरा में उनकी पत्नी का चल रहा है? क्या एसी गुप्ता की पत्नी को दिक्कत ना हो इस वजह से बेचू लाल सोनवानी को जनकपुर वापस नहीं किया जा रहा जबकि सहयोग के लिए उन्हें 1 साल पहले बुलाया गया था जबकि उनके मूल पदस्थापना जनकपुर में है फिर उन्हें जनकपुर 1 साल बाद वापस क्यों नहीं किया गया क्या उनके जाने से ऐसी गुप्ता की पत्नी को रोज महाविद्यालय जाना पड़ेगा इस वजह से उन्हें जनकपुर नहीं भेजा जा रहा और जिनकी नई पदस्थापना होनी है उन्हें आने से रोका जा रहा क्या यह पूरे भ्रष्टाचार के लिए एक षड्यंत्र है या फिर उच्च शिक्षा विभाग के नियमों की उल्लंघन करना ही उनका उद्देश्य है? वही शासकीय पोड़ी बचरा महाविद्यालय में अतिथि व्याख्याता की नियुक्ति को लेकर भी अनियमिताएं देखने को मिली,मेरिट सूची जहां 14 तारीख को सूचना पटल पर चस्पा हो जाना था,वहां मेरिट सूची 17 तारीख तक चस्पा नहीं हो पाई हमने खबर लिखे जाने तक मेरिट सूची के चस्पा की फोटो मंगाई तब तक वहां पर मेरिट सूची नहीं लगा हुआ मिला साथ ही ऑनलाइन में भी मेरिट सूची जारी नहीं हुई।

क्या डॉ. प्रीति गुप्ता की पोड़ी बचरा महाविद्यालय से दुरी की वजह से छात्र/छात्राओं के प्रवेश में आई कमी ?

दिनांक 25 अप्रैल 2025 को आहरण एवं संवितरण अधिकारी डॉ. प्रीति गुप्ता को मिला है,किन्तु आज तक पोड़ी बचरा महाविद्यालय नहीं गई है। बैकुण्ठपुर महाविद्यालय में प्रतिदिन विलम्ब से आती है,जब कभी विश्वविद्यालय अथवा रायपुर से फोन आता है तो कभी पोड़ी बचरा महाविद्यालय तो कभी बैकुण्ठपुर महाविद्यालय में रहने की बात कहकर घर में रहती है। शासन का स्पष्ट निर्देश है कि यदि कोई सहायक प्राध्यापक किसी अन्य महाविद्यालय के डीडीओ के प्रभार में है और यदि संबंधित महाविद्यालय में जाने के पूर्व अपर संचालक व महाविद्यालय को सूचना देने के उपरान्त जाएंगे,लेकिन यह भी महाविद्यालय नहीं आती है। जिसके कारण छात्र/छात्राओं की प्रवेश में कमी आई है एवं वर्तमान तक मात्र 32 प्रवेश हुए है। दबी जुबान में लोगों का यहां तक कहना है कि वाणिज्य प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश नहीं हो रहा था तो एक लड़के की फीस वहां के सहायक प्राध्यापक द्वारा खुद जमा की गई ताकि वाणिज्य संकाय जिन्दा रहे। वाणिज्य संकाय में मात्र 2-3 छात्र/ छात्राएं रहते है ऐसे में शासन द्वारा लाखों रूपये का खर्च वेतन पर किया जाता है, ऐसे में यदि वाणिज्य संकाय को आसपास जैसे खड़गवां महाविद्यालय में मर्ज करने से शासन के राशि की बचत होगी।

क्या पोड़ी बचरा महाविद्यालय में अतिथि व्याख्याता की नियुक्ति में भी आ सकती है अनियमितता ?

वर्तमान में अतिथि व्याख्याता की नियुक्ति हेतु विज्ञापन नवीन शासकीय महाविद्यालय पोड़ी बचरा में निकाला गया,जिसकी अन्तिम तिथि 11 अगस्त 2025 एवं अंतिम मेरिट सूची जारी करने की तिथि 14 अगस्त 2025 है। लोगों का कहना है कि डॉ. प्रीति गुप्ता विज्ञापन में निकाले गए विषयों पर अपने चहेते व्यक्तियों की पैसा लेकर भर्ती करना चाह रही है,जिसके कारण विज्ञापन में निकाले गए समय सारिणी में विलम्ब कर रही है। जब विज्ञापन महाविद्यालय द्वारा जारी किया गया था उसी समय अंतिम मेरिट सूची, दावा आपत्ति, अंतिम मेरिट की तिथि तय थी,लेकिन डॉ. प्रीति गुप्ता द्वारा जानबूझकर मेरिट लिस्ट में देरी की जा रही है ताकि लोगों को पता न चल सके व समय निकल जाने के बाद दावा आपत्ति न कर सके। यदि उन्हें भर्ती नियम में कोई बदलाव करना था तो 14 अगस्त 2025 के पूर्व नियम जारी कर देना था, लेकिन ऐसा उनके द्वारा नहीं किया गया।

भतीजे की पत्नी व बहू पर मेहरबानी क्यों ?

सेवानिवृत्त प्रभारी प्रचार अखिलेश चंद्र गुप्ता अपने आप में एक अलग ही शख्सियत है वह जैसा चाहेंगे वैसा कर लेंगे,उन्हें कोई भी न रोकने वाला है और ना उन्हें कोई रोकने वाला था यही वजह था कि वह अपने कार्यकाल में परिवार वाद चला रहे थे रिश्तेदारों को महाविद्यालय में लाभ पहुंचा रहे थे ऐसा अब सूत्रों का आरोप है,विशेष सूत्रों का कहना है कि डॉ. अखिलेश चन्द्र गुप्ता द्वारा नागपुर में अतिथि व्याख्याता भर्ती में अपनी भतीजे की पत्नी दिव्या गुप्ता को नियुक्ति दी गई थी, एवं नवीन शासकीय महाविद्यालय पोड़ी बचरा में भी अपनी बहू को नियुक्ति दी गई है,यदि यह बात सही है तो फिर सवाल उठना भी लाजमी है कि क्या एसी गुप्ता अपने कार्यकाल में जैसा चाह रहे थे वैसा कर रहे थे? उनकी मनमानियों पर अंकुश लगाने वाला कोई नहीं था? जिस वजह से वह पूरे महाविद्यालय में परिवारवाद ही चलाए जहां एक भतीजे को उन्होंने वहां का बाबू बनाया तो दो को अतिथि शिक्षक में उन्होंने नियुक्ति कराकर लाभ पहुंचा।

सांसद विधायक ने कुसमी में किया 74 लाख 74 हजार रूपये के मांगलिक भवन का भुमि पुजन

-संवाददाता-
कुसमी,17 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

नगर पंचायत कुसमी के वार्ड क्रमांक 04 में स्थित पुष्प वाटिका में डॉ.बी.आर. अंबेडकर के नाम से सर्व समाज के लिये मांगलिक भवन का भूमि पुजन कार्यक्रम मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिन्तामणि महाराज एवं अति विशिष्ठ अतिथि सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैंकरा की उपस्थिति में शनिवार को सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में अतिथियों के द्वारा विधिवत पुजा अर्चना कर भुमि पर फावडे चलाकर निर्माण कार्य की शुरूवात की गई। वही पुष्प वाटिका में सांसद विधायक एवं स्थानिय जनप्रतिनिधियों के द्वारा पौधा रोपण भी किया गया। फिर मंच पर अतिथियों का स्वागत किया गया। वही मंच से सरगुजा सांसद चिन्तामणी महाराज ने लोगो को सम्बोधन करते हुये कहा कि कुसमी के विकास के लिये जो भी मेरे से बनने लाईक हो उससे आप लोग मुझे बताये,पुष्प वाटिका के प्रति लोगो का आकर्षन रहे इसे लेकर नगर पंचायत सीएमओं को सांसद ने पुष्प वाटिका को व्यवस्थित करने के निर्देश दिये है। वही सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैंकरा ने कहा कि इस मांगलिक भवन के निर्माण होने से लोगो को शादी सहित अन्य कार्यक्रम करने में इस भवन में आसानी होगी साथहि आने वाले समय में कुसमी राजा तलाब शिवमंदिर के पास सौदर्य करण का कार्य भी कराया जायेगा। वही मंच को नगर पंचायत अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद भगत ने भी संम्बोधित किया। कार्यक्रम में नगर पंचायत उपाध्यक्ष आनंद जायसवाल,पार्षद गणों में हिरामणी प्रजापति, अंजु सिन्हा, लंरग साय, पारस पाल,सुशिला लकडा, शकिल अंसारी,वाहिद अली, बृजकिशोर,किरता राम के साथ-साथ विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण पैंकरा पुर्व मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल, राजेश्वर गुप्ता,केदार गुप्ता,अरविन्द तिवारी,सीएमओं अरविन्द विश्वकर्मा सहित काफी संख्या में स्थानिय जनप्रतिनिधि अधिकारी कर्मचारी एव स्थानिय लोग शामिल रहे।

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज जिला कोरिया की कार्यकारिणी घोषित

-संवाददाता-
कोरिया, 17 अगस्त 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, जिला कोरिया के द्वारा अपनी जंबो कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए चेंबर के जिलाध्यक्ष शारदा गुप्ता ने बताया कि प्रदेश चैंबर के अध्यक्ष सतीश थोरानी के अनुमोदन द्वारा, प्रदेश उपाध्यक्ष अजय गुप्ता एवं मंत्री शैलेन्द्र शर्मा की सहमति से कोरिया जिलाध्यक्ष शारदा गुप्ता ने कार्यकारिणी की घोषणा की है । प्रदेश अध्यक्ष द्वारा निम्न सूची स्वीकृति प्रदान की गई है। संरक्षक राजेश शुक्ला, मनोज गुप्ता, नसीम असदक, प्रमोद जायसवाल प्रहलाद जायसवाल (विकास फर्नीचर) उपाध्यक्ष रविकांत गुप्ता,राजेश राज गुप्ता,निशांत जायसवाल,सुधीर अग्रवाल, सुदीप सोनी महामंत्री- हिमांशु अवस्थी, कार्यकारी महामंत्री - आस्तिक शुक्ला मंत्री - गिरिजा शंकर पाण्डेय, अभय बडेरिया,महेन्द्र वैध (प्रज्ञा ट्रेडर्स) ओमप्रकाश केवलानी, जय साहू,कोषाध्यक्ष- मयंक अग्रवाल सहकोषाध्यक्ष-प्रशांत शिवहरे सोशल मीडिया एवं प्रचार प्रसार समिति - अनुराग दुबे,सचिन्द्र गुप्ता,संजीव गुप्ता,नमन गुप्ता, रवि गुप्ता इनके साथ ही विभिन्न प्रशासनिक विभागों के साथ गतिविधियों और व्यापारियों के समन्वय हेतु विशेष टीम का गठन किया गया है। जिसमें प्रमुख संचालन समन्वय समिति- श्रीप्रकाश जायसवाल,बलजीत सिंह,रमेश चन्द्र गुप्ता,राधेश्याम जायसवाल,महेन्द्र वैध फूड एवं सेफ्टी विभाग-नवीन कुमार गुप्ता जी.एस.टी. - अशोक बडेरिया बैंकिंग विभाग-प्रवीण जायसवाल उद्योग एवं खनिज-मोहित पैकरा नगरीय प्रशासन-गिरीश राजपूत स्वास्थ्य-शशांक जग्यासी राजस्व एवं गुमाश्ता- वैभव गुप्ता के माध्यम से संचालित होगी।

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
आबकारी अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
आबकारी विभाग राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
खंड शिक्षाधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
खंड शिक्षा कार्यालय राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
खंड शिक्षा अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
वि.शिक्षा कार्यालय शंकरगढ़,जिला- बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
जनपद पंचायत शंकरगढ़,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
शाखा प्रबंधक
एवं समस्त स्टाफ
को-ऑपरेटिव बैंक मार्यादित राजपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
कार्यपालन अभियंता
एवं समस्त स्टाफ
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
कार्यपालन अभियंता
एवं समस्त स्टाफ
ग्रामिण यांत्रिकी सेवा संभाग बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
कार्यपालन अभियंता
एवं समस्त स्टाफ
जल संसाधन विभाग बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
कृषि उपज मंडी
जांच बेरियर
एवं समस्त स्टाफ
जांच बेरियर रामानुजगंज,जिला- बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारी गण
जनपद पंचायत राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
कृषि विस्तार अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
कृषि विभाग राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारी गण
जनपद पंचायत राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
मंडल संयोजक
एवं समस्त स्टाफ
राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
परियोजना अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारी गण
जनपद पंचायत राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
परियोजना अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
शंकरगढ़,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
कार्यपालन अभियंता
एवं समस्त कर्मचारी गण
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना राजपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
विकासखण्ड पशु
चिकित्सा अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारी गण
पशु चिकित्सालय राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
अनुविभागीय अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
आरईएस शंकरगढ़,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
अनुविभागीय अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारी गण
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग राजपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
जिला परिवहन अधिकारी
एवं समस्त स्टाफ
जिला परिवहन विभाग बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
समस्त
सरपंच-उप सरपंच
सचिव-पंचगण
एवं समस्त ग्रामवासी
जनपद पंचायत राजपुर,जिला- बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
अनुविभागीय अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारी गण
जल संसाधन राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
थाना प्रभारी
एवं समस्त कर्मचारी गण
थाना राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
थाना प्रभारी
एवं समस्त स्टाफ
थाना शंकरगढ़,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
मुख्य उद्यान अधिकारी
एवं समस्त कर्मचारी गण
उद्यान विभाग चांची,राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
उप संचालक
रेशम
एवं समस्त कर्मचारी गण
रेशम विभाग राजपुर,जिला-बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
यातायात प्रभारी
एवं समस्त स्टाफ
यातायात विभाग बलरामपुर,जिला- बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
जीएनसी कन्स्ट्रक्शन
ऋषिकांत सिंह (टीनू सिंह)
हिंडाल्को पिरवहन कांट्रेक्टर
सामरीपाठ-कुसमी,जिला- बलरामपुर

79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...
हीरामुनी निकुंज
अध्यक्ष
जिला पंचायत बलरामपुर
जिला- बलरामपुर,छत्तीसगढ़

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
प्रदेशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं...
बसंती भगत
अध्यक्ष
अशोक सोनी-उपाध्यक्ष
अशोक पाण्डेय
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत कुसमी,जिला-बलरामपुर

छत्तीसगढ़ का नया मंत्रिमंडल अधर में...

» लगता है इतना आसान नहीं होगा सफर...

» एक बार फिर टल सकता है मंत्रिमंडल का विस्तार

रायपुर,17 अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के मंत्रिमंडल में लगभग पौने दो साल के बाद भी मंत्रियों के नाम तय नहीं हो पा रहा है। पहले 13 मंत्री हुआ करते थे और छठवें कैबिनेट में 14 मंत्रियों के पद पर मुहर लगनी है। फिलहाल चर्चा का विषय यह बना हुआ है कि नए तीन मंत्री कौन होंगे। सुगबुगाहटों का बाजार गर्म है और सरगुजा से राजेश अग्रवाल,रायपुर से गुरू खुशवंत साहेब और दुर्ग से गजेंद्र यादव का नाम लगभग तय माना जा रहा है। यदि सरगुजा संभाग से नए मंत्री का नाम तय होगा तो इस संभाग से पांच मंत्री हो जाएंगे। लेकिन इसी बीच खबर है कि मंत्रिमंडल का विस्तार एक बार फिर टल सकता है क्योंकि वरिष्ठ विधायकगण इस बात से नाराज है।

सरगुजा संभाग मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, रामविचार नेताम, श्याम बिहारी जायसवाल, लक्ष्मी राजवाड़े और पांचवे नए मंत्री के रूप में राजेश अग्रवाल।

बिलासपुर संभाग सरगुजा के बाद ज्यादा मंत्री वाला संभाग बिलासपुर है, जिसमें लखनलाल देवांगन, अरूण साव और ओपी चौधरी शामिल है।

दुर्ग संभाग दुर्ग से विजय शर्मा और दयालदास बघेल।

रायपुर संभाग रायपुर से टंकराम वर्मा और बस्तर से केदार कश्यप। वहीं, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भी बस्तर संभाग से आते है। हालांकि संगठन के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती है क्षेत्रीय और जातिगत समीकरण का बैलेंस बनाते हुए नए मंत्रियों का नाम फाइनल करना।

अब बात है मंत्री पद के चर्चित नामों की तो सरगुजा से राजेश अग्रवाल, रायपुर से गुरू खुशवंत साहेब और दुर्ग से गजेंद्र यादव की, तो सबसे पहले यादव समाज की बात करते हैं। प्रदेश में यादव समाज की संख्या साहू समाज के बाद दूसरे नंबर पर है, इसलिए मंत्री पद के लिए गजेंद्र यादव को लगभग फाइनल ही माना जा रहा है।

यादव समाज यह लगातार प्रयास कर रहा है कि समाज से एक मंत्री जरूर हो क्योंकि ओबीसी वर्ग में देखा जाए तो छत्तीसगढ़ में यह दूसरा बड़ा समाज है। समाज का एक प्रयास यह भी है कि कांग्रेस में देवेंद्र यादव की तरह एक बड़ा नेता भाजपा से हो।

वहीं,गुरू खुशवंत साहेब का नाम भी मंत्री पद के लिए तय माना जा रहा है क्योंकि रायपुर संभाग से केवल एक ही मंत्री है। खुशवंत साहेब अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष होने के साथ-साथ वे सतनामी समाज के धर्म गुरू है। सरगुजा से एक नाम राजेश अग्रवाल का है, जिन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की अटकलें काफी तेज हो चुकी है। चूंकि, सामाजिक समिकरण के चलते मंत्रिमंडल में वैश्य समाज से एक मंत्री बनाया जाना है तो इनका नाम सबसे आगे चल रहा है।

कैबिनेट की अहम बैठक 19 अगस्त को

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 19 अगस्त 2025 को एक महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक आयोजित होने जा रही है। यह मंत्रिमंडल की 34वीं बैठक होगी, जो राजधानी रायपुर के मंत्रालय महानदी भवन में सुबह 11 बजे से शुरू होगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में कई अहम नीतिगत निर्णय लिए जाने की संभावना है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मीडिया से बातचीत में कहा, राज्य सरकार जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर गंभीर है। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी और जनहित में ठोस फैसले लिए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार,बैठक में विकास परियोजनाओं, सामाजिक कल्याण योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों से संबंधित प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया जा सकता है।

बीमारियों के उपचार में नई तकनीकों की अहम भूमिका:राज्यपाल डेका

रायपुर,17 अगस्त 2025 (ए)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि सभ्यता के विकास के साथ-साथ बीमारियां भी बढ़ी हैं

और जीवन शैली ने स्वास्थ्य पर गहरा असर डाला है। उन्होंने कहा कि बीमारियों का पता लगाने एवं उनके उपचार में एआई, रोबोटिक सर्जरी एवं अन्य नई तकनीकों की भूमिका आज बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। राज्यपाल डेका एम्स रायपुर में आयोजित नाक, कान गला (ईएमटी) रोग विशेषज्ञों के वार्षिक सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि 15 अगस्त से प्रारंभ यह तीन दिवसीय सम्मेलन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह भारत के स्वतंत्रता दिवस हमारे अपार राष्ट्रीय गौरव के दिन से शुरू हुआ है। हम स्वतंत्रता और प्रगति के 79 वर्षों का उत्सव मना रहे है। यह सम्मेलन नाक, कान, गला रोग के क्षेत्र के बेहतरीन ज्ञान साझा करने और स्वास्थ्य एवं उपचार संबंधी शोध को आगे बढ़ाने का श्रेष्ठ माध्यम है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ईएनटी कई ऐसे गंभीर मुद्दों से जुड़ा है, जिनमें सिर, गले के कैंसर प्रमुख हैं। दुर्भाग्य से, छत्तीसगढ़ में तंबाकू सेवन की आदतें व्यापक हैं। जिसके कारण ऐसे मामलों की संख्या काफी अधिक है। उन्होंने इस समस्या से निपटने के लिए समाज और विशेषज्ञों से मिलकर कार्य करने का आव्हान किया।

पायलट प्रोजेक्ट में रायगढ़ बना पहला जिला

रायपुर,17 अगस्त 2025 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को मूर्त रूप देते हुए महिला स्व-सहायता समूहों को पूरक पोषण आहार रेडी-टू-ईट निर्माण का कार्य पुनः सौंपा है।

इस महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत रायगढ़ जिले से हुई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही आंगनबाड़ी के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक आहार उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि देशभर में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा गया है और छत्तीसगढ़ इस दिशा में तेज गति से कार्य कर रहा है। रायगढ़ इस अभियान में अग्रणी जिला बना है।

कवर्धा में हुआ काला 'कबूतर कांड'

» स्वतंत्रता दिवस पर सफेद की जगह उड़ा दिये काले कबूतर, मचा बवाल

कवर्धा,17 अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह इस बार एक अलग ही वजह से चर्चा में आ गया। ग्राम पंचायत गुढ़ा के स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में ध्वजारोहण के बाद शांति और सौहार्द का प्रतीक माने जाने वाले कबूतर उड़ाने की रस्म निभाई गई। मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे जिला पंचायत सदस्य और सभापति वीरेन्द्र साहू ने मंच से कबूतर उड़ाए।

परंपरा के मुताबिक इस मौके पर सफेद कबूतर छोड़े जाते हैं, जिन्हें शांति का दूत माना जाता है। लेकिन यहां जो कबूतर उड़ाए गए, वे काले थे। यह दृश्य कैमरे में कैद हुआ और खुद वीरेन्द्र साहू ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा कर दिया। चंद घंटों में वीडियो वायरल हो गया और लोगों ने इस पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

विवाद कैसे भड़का?

वीडियो सामने आते ही कई लोगों ने इसे स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व के साथ खिलवाड़ और लापरवाही बताया। बाद में वीडियो को एडिट कर कबूतरों को सफेद दिखाने की कोशिश भी की गई, लेकिन मूल फुटेज ने यह साफ कर दिया कि मंच से छोड़े गए पक्षी काले ही थे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय पर्व पर काले कबूतर छोड़ना न सिर्फ शर्मनाक है बल्कि इसे अशुभ संकेत के तौर पर भी देखा जा रहा है। कुछ लोगों ने इसे प्रशासनिक लापरवाही करार दिया और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की।

सोशल मीडिया पर पंचायत का किस्सा

यह मामला केवल आलोचना तक सीमित नहीं रहा। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे हास्यास्पद अंदाज़ में भी उठाया और तुलना कर दी लोकप्रिय वेब सीरीज पंचायत के उस दृश्य से, जिसमें विधायक कबूतर उड़ाते हैं और गो कबूतर गो बोलते ही पक्षी मर जाता है। वहां कबूतर की मौत पर गांव ठहाकों में डूब गया था, और यहां कबूतर के रंग ने विवाद को जन्म दे दिया। ऐसे में सवाल उठता है कि इस घटना को प्रशासन कितनी गंभीरता से लेगा। क्या दोषियों पर कार्रवाई होगी या फिर इसे भी हंसी-मजाक में छोड़ दिया जाएगा? फिलहाल कवर्धा में यह कबूतर कांड चर्चा का सबसे बड़ा विषय बना हुआ है।

आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे एनएचएम के 16,000 से अधिक कर्मचारी

▸▸ स्वास्थ्य सेवाएं ठप होने की आशंका

रायपुर,17 अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत 16,000 से अधिक कर्मचारी 18 अगस्त, सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। कर्मचारियों ने अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर राज्य सरकार को 15 अगस्त तक का समय दिया था, लेकिन कोई सकारात्मक निर्णय नहीं आने पर अब उन्होंने आंदोलन का रास्ता चुना है। हड़ताल की सूचना पहले ही संबंधित कलेक्टर, सीएमएचओ और बीएमओ को दे दी गई थी। आंदोलन के चलते प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था, विशेषकर

ग्रामीण क्षेत्रों में बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है। इस बार हड़ताल में एसएनसीयू (विशेष नवजात देखभाल इकाई) जैसी आपातकालीन सेवाएं भी पूरी तरह बंद रहेंगी। एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी, महासचिव कौशलेश तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि हड़ताल पूरी तरह से कलमबंद होगी और मांगें पूरी होने तक कर्मचारी काम पर नहीं लौटेंगे। कर्मचारियों की मुख्य मांगों में सेवा का स्थायीकरण,ग्रेड पे निर्धारण, लंबित वेतन वृद्धि,पारदर्शी कार्य मूल्यांकन, स्थानांतरण नीति,कैडर निर्माण, अनुकंपा नियुक्ति,कैशलेस स्वास्थ्य बीमा समेत अन्य सुविधाएं शामिल हैं। संघ ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक सरकार ठोस कार्रवाई नहीं करती, आंदोलन जारी रहेगा।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

तोमर बंधुओं पर हाईकोर्ट ने की कड़ी कार्रवाई

▸▸ 4 संपत्तियां होंगी कुर्क

रायपुर,17 अगस्त 2025 (ए)। हिस्ट्रीशीटर तोमर भाइयों को पुलिस अब तक पकड़ नहीं पाई है। इसी बीच हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला लिया है। पुलिस की ओर से सूदखोर हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं की संपत्ति कुर्की की याचिका को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस की ओर से सूदखोर हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं की संपत्ति कुर्की की याचिका दायर की गई थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। अब उनकी चार प्रॉपर्टी की कुर्की के लिए रायपुर कलेक्टर को प्रतिवेदन भेजा गया है। बताया जा रहा है कि फरार चल रहे तोमर बंधुओं के खिलाफ उद्घोषणा की अंतिम तारीख कल तय की गई है। अगर आरोपी कोर्ट में पेश नहीं होते हैं तो उनकी संपत्तियों पर कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

किशोरी ने बच्चे को दिया जन्म,दुष्कर्मी बुजुर्ग अरेस्ट

रायपुर,17 अगस्त 2025 (ए)। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती इलाके से मासूम से दुष्कर्म के बाद बच्ची के गर्भ से बच्चे का जन्म देने का मामला सामने आया है। जानकारी के

मुताबिक 61 वर्षीय रिटायर्ड बुजुर्ग ने 15 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म किया,घटना की जानकारी परिजनों को हुई। इसी बीच वो गर्भवती हुई और परिजनों को इस मामले की पूरी जानकारी मिली। जानकारी के बाद परिजनों ने थाने में कोई भी रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई और मामला छिपा लिया, लेकिन गर्भावस्था के बाद जब डिलीवरी के लिए नाबालिग अस्पताल पहुंची तो पूरा मामला खुल गया और इसके बाद पुलिस ने अब इस मामले में जांच शुरू कर दी है।

डीएसपी अरुण देव गौतम ने पुलिस अधिकारियों की आपात बैठक ली

रायपुर,17 अगस्त 2025 (ए)। राजधानी रायपुर से इस वक्त की एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। प्रदेश के डीएसपी अरुण देव गौतम ने कृष्ण जन्माष्टमी की छुट्टी के दिन पुलिस अधिकारियों की आपात बैठक बुलाई। इस बैठक में सभी रेंज के आईजी,एसएसपी समेत एसपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर जरिए जुड़े। यह बैठक पुराना पीएचक्यू के इंटेलिजेंस कॉन्फ्रेंस हॉल में हुई है। डीएसपी अरुण देव गौतम सभी पुलिस अधिकारियों से 3 घंटे तक चर्चा की। मिली जानकारी के अनुसार,डीएसपी अरुण देव गौतम ने बैठक में सभी अधिकारियों को चाकूबाजी रोकने, पुराने बदमाशों और चाकूबाजों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। इतना ही नहीं डीएसपी अरुण देव गौतम ने चाकूबाजी को रोकने के लिए सुझाव के साथ प्लानिंग तैयार कर पेश करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए हैं। डीएसपी गौतम ने चाकूबाजी से रायपुर, बिलासपुर रेंज को सबसे ज्यादा प्रभावित बताया और अधिकारीयों को इसे जल्द कंट्रोल करने के निर्देश दिए। इतना ही नई बैठक में मैदानी इलाकों में पदस्थ छ्स्क्र स्तर के अधिकारियों को भी फील्ड में जाने के निर्देश दिए गए हैं। डीएसपी अरुणदेव गौतम,एडीजी इंट अमित कुमार समेत आईजी रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा बैठक में शामिल हुए

आवारा कुत्तों का मासूम बच्ची पर हमला

» सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद बेकाबू स्थिति

कोंडागांव,17 अगस्त 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक दिल दहलाने वाली घटना में एक मासूम बच्ची पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह घटना सुबह करीब 8 बजे की है, जब बच्ची अपने रोजमर्रा के रास्ते से मुख्य सड़क की ओर जा रही थी। अचानक गली के किनारे बैठे कुत्तों का झुंड उस पर टूट पड़ा और उसे जमीन पर गिराकर नोच डाला।

कैमरे में कैद इस खौफनाक मंजर ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया। बच्ची चीखती रही,लेकिन हमलावर कुत्ते बेखौफ होकर उसे घायल करते रहे। आसपास मौजूद कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए डंडों के जरिए कुत्तों को भगाया और बच्ची की जान बचाई। तब तक बच्ची का शरीर जख्मों से भर चुका था। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

कारोबारी ने मां के निधन पश्चात् किया नेत्रदान

दुर्ग,17 अगस्त 2025 (ए)। जिले की प्रतिष्ठित भोमियाजी मोबाईल एवं नमन फूड प्रोडक्टस के संचालक गौतम जैन एवं मनीष जैन की माताजी गवलीपारा निवासी श्रीमती जतन बाई चौरड़िया(गंडई,दुर्ग) (76 वर्ष) के निधन के पश्चात उनके नेत्रों से दो लोगों को नई रौशनी मिलेगी। जतन बाई के परिवार की ओर से गौतम जैन,मनीष जैन ,शोभा जैन,मेधा जैन ,मधु जैन ,पुष्पा नाहटा ,मनीषा, ममता, संगीता, सिद्धार्थ ,विशाल,मनन ने नेत्रदान हेतु सहमति दी। परिवार की सहमति मिलते ही नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य राज आढ़तिया,कुलवंत भाटिया,रितेश जैन, राजेश पारख, प्रभुदयाल उजाला जैन के गवलीपारा निवास पहुंचे एवं नेत्रदान प्रक्रिया में सहयोग किया। भारी

बारिश के बावजूद मध्य रात्रि शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज के डॉ संदीप बाचकर एवं नेत्र बैंक प्रभारी विवेक कसार ने कॉर्निया कलेक्ट किये। गौतम जैन ने कहा उनकी माँ जब तक रही लोगों की मदद की और जाते जाते दो लोगों के जीवन में उजाला कर गई माँ दो आँखों के माध्यम से हमेशा के लिए अमर हो गई।

संदिग्ध हालात में युवक की लाश मिलने से मचा हड़कंप

» परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

तखतपुर,17 अगस्त 2025 (ए)। तखतपुर थाना क्षेत्र के जरेली मुख्य मार्ग पर स्थित एक ट्रेडर्स की दुकान में उस समय सनसनी फैल गई, जब दुकान के अंदर एक युवक की लाश संदिग्ध परिस्थितियों में पाई गई। जानकारी के अनुसार,रविवार सुबह जैसे ही दुकान मालिक ने शटर खोला,तो अंदर सीढ़ियों के पास युवक का शव पड़ा मिला। यह नज़ारा देखकर मालिक घबरा गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अर्जुन पात्रे के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में संदेह जताया जा रहा है कि युवक बीती रात चोरी के इरादे से दुकान में दाखिल हुआ था और इसी दौरान कुछ अनहोनी हो गई। बताया जा रहा है कि

युवक ने दुकान का टीन फाड़कर अंदर घुसने की कोशिश की थी।हालांकि, मृतक के परिजनों ने इस घटना को चोरी का मामला मानने से इनकार करते हुए साफ तौर पर हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि अर्जुन की मौत सामान्य नहीं है और किसी साजिश के तहत उसे मारा गया है। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। इस रहस्यमय मौत ने पूरे इलाके में दहशत और जिज्ञासा का माहौल बना दिया है।

मलांजकुड़ुम वाटरफॉल में फिसलने से युवक की मौत

कांकेर,17 अगस्त 2025 (ए)। जिले के चर्चित पर्यटन स्थल 'मलांजकुड़ुम जलप्रपात' में शनिवार को एक और दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें रायपुर से आए एक युवक की जान चली गई। हादसा उस वक्त हुआ जब युवक डेंजर ज़ोन में चला गया और फिसलकर गहरी खाई में गिर पड़ा। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, रायपुर निवासी 'गोपाल चंद्राकर' अपने पांच दोस्तों के साथ घूमने के लिए मलांजकुड़ुम वाटरफॉल पहुंचा था। प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हुए वह डेंजर ज़ोन की ओर चला गया, जहां चिकने पत्थरों पर उसका पैर फिसल गया और वह सीधे नीचे जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद उसके दोस्तों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन अंधेरा होने की वजह से रात में रेस्क्यू ऑपरेशन संभव नहीं हो सका।

नवागढ़ में धूमधाम से मनाई गई गुरु बालकदास साहेब जी की जयंती

रायपुर,17 अगस्त 2025 (ए)। नवागढ़ नया सतनाम भवन में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु बालकदास साहेब जी की जयंती बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस भव्य आयोजन में हजारों की संख्या में सतनामी समाज के लोग उपस्थित होकर गुरु परंपरा के प्रति अपनी आस्था प्रकट किए। इस अवसर पर सतनामी समाज के धर्मगुरु,राजागुरु गुरु बालदास साहेब जी कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने श्रद्धालुओं को आशीर्वचन दिए। इसके पश्चात सत्तधारी गुरु सोमेश बाबा जी ने गुरु धर्म का निर्वहन करते हुए समाज को गुरु मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)